Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 152 | गुरुवार, 11 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

नरेंद्र मोदी बने सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को आजाद भारत के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का गौरव हासिल कर लिया। श्री मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद से वह देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में लगातार काम कर रहे हैं।

लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में मंगलवार को उनके कार्यकाल के 4398 दिन पूरे हो गये। यह पंडित नेहरू के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में 4398 दिन के कार्यकाल के बराबर है। पंडित नेहरू 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक प्रधानमंत्री रहे थे। वैसे पंडित नेहरू आजादी के बाद 15 अगस्त 1947 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बने थे, लेकिन तब वह निर्वाचित नहीं, बल्कि अंतरिम सरकार में प्रधानमंत्री थे। इससे पहले श्री मोदी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 4077 दिन के लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री के कार्यकाल से आगे निकल चुके हैं। श्रीमती गांधी 24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977 तक लगातार प्रधानमंत्री रही थी।

यद्यपि वह बाद में 1980 में भी प्रधानमंत्री चुनी गयीं थी। श्री मोदी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में भी 9000 से भी अधिक दिन तक कार्य कर चुके हैं। उन्होंने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में नौ जून 2024 को शपथ ली थी। सूत्रों के अनुसार आज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की राज्य सरकारों के मुख्यमंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक होगी, जिसमें श्री मोदी को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी जायेगी। इस अवसर पर एक प्रस्ताव भी पारित किये जाने की संभावना है।

नरेन्द्र मोदी
4399
दिन

जवाहर लाल नेहरू
4398
दिन

राष्ट्रपति ने मोदी के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने पर बधाई दी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा करने पर उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सेवा, समावेश और राष्ट्रीय विकास के प्रति प्रधानमंत्री की अडिग प्रतिबद्धता देश को उसकी आकांक्षाओं की पूर्ति की ओर ले जाएगी। प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा में समर्पित 4,399 दिन पूरे होने पर राष्ट्रपति ने श्री मोदी को एक पत्र लिखकर उनकी सराहना की। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि सार्वजनिक जीवन में भारत के प्रधानमंत्री पद जैसी जिम्मेदारी के लिए बहुत अधिक निष्ठा, लचीलेपन और दृढ़ता की आवश्यकता होती है।

पीएम मोदी को सीएम योगी ने दी बधाई

निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 4,399 दिन पूरे कर श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के इतिहास में सबसे लंबी अवधि तक इस पद पर सेवा देने वाले जननेता का कीर्तिमान स्थापित किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस उपलब्धि पर उनको बधाई देते हुए इसे 145 करोड़ देशवासियों के विश्वास, स्नेह और आशीर्वाद की सामूहिक अभिव्यक्ति बताया। योगी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 145 करोड़ भारतवासियों की सेवा, सुरक्षा और समृद्धि के लिए सतत समर्पित, अमृतकाल के सारथी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के इतिहास में सबसे लंबी अवधि तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने वाले जननेता बनने पर हार्दिक बधाई।

ममता बनर्जी को एक और बड़ा झटका: टीएमसी की सुष्मिता देव ने राज्यसभा सांसद पद से दिया इस्तीफा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के भीतर मची अंदरूनी कलह और बगावत अब दिल्ली के सियासी गलियारों तक पहुंच गई है। टीएमसी प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी पर पकड़ लगातार कमजोर होती दिख रही है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में बागी नेता रिताब्रता बनर्जी के समर्थन में 61 विधायकों के लामबंद होने के बाद, अब यह असंतोष संसद के उच्च सदन (राज्यसभा) में भी फूट पड़ा है। पार्टी के बेहद भरोसेमंद और वरिष्ठ सहयोगी सुखेंदु शेखर रॉय के राज्यसभा से इस्तीफा देने के ठीक एक हफ्ते बाद, बुधवार को टीएमसी की तेजतर्रार नेता सुष्मिता देव ने भी उच्च सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। एक ही हफ्ते के भीतर दो बड़े राज्यसभा सांसदों के इस्तीफे ने ममता बनर्जी के खेमे में हड़कंप मचा दिया है।

कांग्रेस से राजनीतिक शुरूआत: देव पहले कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठ नेता थीं और उन्होंने असम की हाई-प्रोफाइल सिलचर लोकसभा सीट का

प्रतिनिधित्व किया था।

2021 में थामा था TMC का दामन: साल 2019 के लोकसभा चुनाव में हार का सामना करने के बाद, उन्होंने कांग्रेस आलाकमान से मतभेदों के चलते 2021 में पार्टी छोड़ दी और तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गईं।

पार्टी में मिला था बड़ा कद: ममता बनर्जी ने पूर्वोत्तर में पार्टी विस्तार के लिए सुष्मिता देव पर बड़ा दांव खेला था। उन्होंने बहुत कम समय में टीएमसी के भीतर तेजी से तरक्की की। उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया और बाद में पुरस्कार के रूप में राज्यसभा की प्रतिष्ठित सीट देकर संसद भेजा गया था।

सुष्मिता देव का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब तृणमूल कांग्रेस अपने सबसे खराब आंतरिक संकट (Internal Crisis) से गुजर रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह इस्तीफा केवल एक सांसद का पद छोड़ना नहीं, बल्कि ममता बनर्जी की सांगठनिक लीडरशिप को खुली चुनौती है।

एक हफ्ते में दूसरा बड़ा झटका: पिछले हफ्ते सुखेंदु शेखर रॉय जैसे दिग्गज नेता का राज्यसभा छोड़ना और अब सुष्मिता देव का यह कदम साफ करता है कि दिल्ली में टीएमसी का संसदीय दल बिखर रहा है।

इसके साथ ही, बंगाल में 61 विधायकों का बागी गुट के साथ खड़ा होना यह संकेत दे रहा है कि पार्टी के भीतर 'ममता बनाम बागी' की जंग अब आर-पार के मोड़ पर आ चुकी है। इस इस्तीफे के बाद सुष्मिता देव के अगले राजनीतिक कदम को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि क्या वह वापस कांग्रेस का रुख करेंगी या किसी नए विकल्प की तलाश में हैं। दूसरी ओर, इस बगावत ने आगामी संसद सत्र से पहले टीएमसी को बैकफुट पर ला खड़ा किया है।

'बस बेटी लौटा दो', 12 दिन से लापता एमबीए स्टूडेंट बबीता के लिए पिता की दर्दभरी पुकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तरकाशी के ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों में बचाव दल बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चला रहे हैं, वहीं रामनगर का एक परिवार कभी न खत्म होने वाले इंतजार से गुजर रहा है। उनके लिए, यह कहानी अब किसी लापता ट्रेकर की नहीं, बल्कि एक बेटी, पोती और बहन की है, जिसके न होने से पूरा परिवार टूट गया है। टइअ की छात्रा, 24 साल की बबीता पांडे, 30 मई को दयारा बुग्याल की ट्रेकिंग के दौरान लापता हो गईं। कई एजेंसियों की कई दिनों की तलाशी के बावजूद, उनका कोई सुराग नहीं मिला है। रामनगर में उनके घर पर, हर बातचीत इसी प्रार्थना के साथ खत्म होती है: 'बबीता सुरक्षित घर लौट आए। बबीता के पिता, गोपाल पांडे का कहना है कि परिवार इस अनिश्चितता के दौर से गुजरने में बहुत मुश्किलों का सामना कर रहा है। जब भी वे अपनी बेटी के बारे में बात करते हैं, तो उनकी आवाज भर आती है; उनकी बेटी का भविष्य सपनों और उम्मीदों से भरा था। परिवार वालों के मुताबिक, बबीता टइअ की पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट-टाइम नौकरी भी कर रही थी। वह एक मेहनती और पक्के इरादे वाली लड़की थी, जो अपने और अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य बनाने पर ध्यान दे रही थी। अब, उन सपनों की जगह चिंता और अनसुलझे सवालों ने ले ली है।

कांग्रेस में टीएमसी के विलय की चर्चा तेज, राहुल गांधी -अभिषेक बनर्जी की मीटिंग पर कांग्रेस का आया जवाब

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस में बगावत के बीच पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से करीब 90 मिनट तक मुलाकात की। यह बैठक 10 जनपथ पर हुई, जिसमें विपक्षी INDIA गठबंधन को मजबूत करने और भविष्य की रणनीति पर चर्चा हुई।

सूत्रों के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस ने राहुल गांधी के नेतृत्व को स्वीकार करते हुए मजबूत गठबंधन की इच्छा जताई है। इस मुलाकात से राजनीतिक गलियारों में तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के विलय की चचाएं फिर से जोर पकड़ ली है।

हालांकि बुधवार को कांग्रेस ने साफ किया है कि विलय का कोई प्रस्ताव तृणमूल की तरफ से आना चाहिए, वे खुद इस पर दबाव नहीं बना रहे हैं। कल ही तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने सोनिया गांधी से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं के गले मिलने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी।

ममता बनर्जी 1998 में कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस बनाकर अलग हुई थीं। 2011 में दोनों पार्टियों ने मिलकर पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चा सरकार को हराया था, लेकिन बाद में दोनों पार्टियों के बीच रिश्ते खराब हो गए।

2024 लोकसभा चुनाव से पहले INDIA ब्लॉक में दोनों फिर साथ आए। इसके बाद पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल की हार के बाद पार्टी में विद्रोह बढ़ गया है। कई विधायकों और सांसदों ने बागी तेवर अपनाए हैं और BJP-NDA की तरफ रुख करने के संकेत दिए हैं।

बुधवार को ही TMC सांसद सुष्मिता देव ने पार्टी और राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया। वे कांग्रेस छोड़कर 2021 में तृणमूल में शामिल हुई थीं और अब BJP में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से मुलाकात भी की।

वहीं, BJP नेता राजू तिब्रेवाल ने तंज कसते हुए कहा, 'सत्ता के लिए ये लोग कुछ भी कर सकते हैं। राहुल गांधी और सोनिया गांधी के पास खुद छत नहीं है, तो ये TMC को क्या शरण देंगे?' TMC की मौजूदा संकटपूर्ण स्थिति में कांग्रेस के साथ करीबी बढ़ाना ममता बनर्जी की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। दोनों पार्टियां इखढ के खिलाफ एकजुट होने पर जोर दे रही हैं, लेकिन विलय की अटकलें अभी सिर्फ चचाओं तक सीमित हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ पीओके में बड़ा प्रदर्शन, ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी के आह्वान पर पूर्ण बंद

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। 'ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी' द्वारा विरोध प्रदर्शन का आह्वान किये जाने के बाद मंगलवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में दुकानें और बाजार बंद रहे। क्षेत्र में हाल ही में हुई पुलिस कार्रवाई में 20 से अधिक लोगों की कथित तौर पर मौत हो गई है। बीबीसी उर्दू की खबर के अनुसार, कमेटी से जुड़े लगभग 2,000 प्रदर्शनकारियों ने भीमबर से विरोध मार्च शुरू किया और वे मीरपुर पहुंचकर मुजफ्फराबाद के लिए रवाना होंगे। खबर में यह भी बताया गया कि कुछ प्रदर्शनकारी रावलकोट पहुंचकर मुजफ्फराबाद के लिए आगे बढ़ेंगे। पुलिस और सुरक्षा बलों के जवान सड़कों व अन्य इलाकों में गश्त कर रहे हैं। कमेटी, रियायती आटे और बिजली की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहा थी। अधिकारियों ने सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर चिंताओं का हवाला देते हुए शुक्रवार को इस समूह पर प्रतिबंध लगा दिया। 'डॉन' की खबर के अनुसार, मुजफ्फराबाद की सड़कें सुनसान रहीं और सड़कों पर लगभग कोई वाहन नहीं दिखाई दिया। खबर में यह भी बताया गया कि शहर में दंगा पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात हैं। हालांकि, शहर में कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हुआ। खबर के मुताबिक, पीओके के एक अन्य प्रमुख शहर मीरपुर के कायद–ए–आजम स्टेडियम में सैकड़ों लोग जमा हुए थे। स्थानीय पत्रकार सज्जाद जर्राल ने 'डॉन' को फोन पर बताया, 'यहां दुकानें बंद हैं और सड़कों पर यातायात नदारद है।

क्या है तेलंगाना में दर्ज वो केस, जिसके कारण मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन हुआ रद ?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। नई दिल्ली। मध्य प्रदेश से राज्यसभा सीट के लिए कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का नामांकन मंगलवार को चुनाव आयोग ने खारिज कर दिया। आयोग ने यह कदम उन शिकायतों के बाद उठाया जिनमें कहा गया था कि उन्होंने अपने नामांकन पत्रों में अपने खिलाफ चल रहे एक मामले का विवरण नहीं दिया। कहा जा रहा है कि तेलंगाना में कांग्रेस नेता के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया था। रिटर्निंग ऑफिसर ने यह फैसला वरिष्ठ बीजेपी नेता और मध्य प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की शिकायत पर लिया।

शिकायत में क्या कहा गया था?

शिकायत में कहा गया था कि नटराजन से जुड़ा एक मामला तेलंगाना की अदालत में लंबित है और उन्होंने अपने नामांकन हलफनामे में इसका जिक्र नहीं किया था। वहीं, नटराजन और कांग्रेस ने इस आरोप को खारिज कर दिया है और इसे राज्यसभा चुनाव में हेर-फेर करने की बीजेपी की कोशिश बताया। इस फैसले से कांग्रेस मुश्किल में पड़ गई है क्योंकि अब पार्टी कोई दूसरा उम्मीदवार नहीं उतार सकती क्योंकि नामांकन की आखिरी तारीख 8 जून थी। कांग्रेस की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ एक दिलचस्प मामला सामने आया है, जो एक पूर्व कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव ए. श्रीलता की निजी शिकायत से जुड़ा है। यह शिकायत सबसे पहले 2022 में राज्य कांग्रेस नेता कुंभम शिवकुमार रेड्डी के व्यवहार को लेकर दर्ज कराई गई थी। श्रीलता का आरोप था कि कुछ

राजनीतिक नेताओं ने या तो राजनीतिक संरक्षण दिया या फिर उनके आरोपों की जानकारी होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की। शिकायत में पार्टी पदाधिकारियों द्वारा परेशान करने, छेड़छाड़, धमकी देने और कोई कार्रवाई न करने के आरोप शामिल थे।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, श्रीलता ने 2022 में आरोपी कुंभम शिवकुमार रेड्डी के खिलाफ हैदराबाद पुलिस से संपर्क किया था लेकिन सबूतों की कमी के कारण मामला बंद कर दिया गया था। सूत्रों के अनुसार, हैदराबाद और बेंगलुरु में उनकी बाद की निजी शिकायतों का भी निपटारा कर दिया गया।

नटराजन का नाम बहुत बाद में आया

2025 में श्रीलता ने हैदराबाद के नामपल्ली स्थित चौथी अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत में एक याचिका दायर की, जिसमें मीनाक्षी नटराजन को चौथे आरोपी के तौर पर नामजद किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने रेड्डी द्वारा कथित उत्पीड़न का मामला मीनाक्षी नटराजन के सामने भी उठाया था। उस समय वह तेलंगाना में कांग्रेस संगठन से जुड़ी हुई थीं। श्रीलता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के संविधान में अनुशासनात्मक कार्रवाई के प्रावधान होने के बावजूद, संबंधित नेता के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। तो, मीनाक्षी नटराजन का नाम 2025 की बाद वाली शिकायत में आया, न कि 2022 की पहली शिकायत में। याचिका स्वीकार करते हुए अदालत ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए और नटराजन ने अदालत के नोटिस का जवाब दिया।

क्या मीनाक्षी नटराजन आरोपी हैं?

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय न्याय संहिता (BNS) के नए प्रावधानों के अनुसार मीनाक्षी नटराजन और अन्य लोग आरोपी नहीं बल्कि प्रतिवादी हैं, क्योंकि अदालत ने अभी तक इस मामले का संज्ञान नहीं लिया है। मामला अभी शुरूआती चरण में है और सुनवाई का इंतजार कर रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत मीनाक्षी नटराजन के साथ एक 'प्रतिवादी' (respondent) के तौर पर व्यवहार किया गया, न कि 'आरोपी' के तौर पर। यह धारा आपराधिक मामलों में शिकायतकताओं और गवाहों की जांच-पड़ताल से जुड़ी है और इसने पुरानी सीआरपीसी की धारा 200 की जगह ली है। इस कानून के तहत किसी मामले में आगे बढ़ने से पहले मजिस्ट्रेट के लिए शिकायतकर्ता की शपथ पर जांच करना जरूरी है। नटराजन के वकील ने यह भी कहा है कि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि श्रीलता ने केवल एक निजी याचिका दायर की थी और अदालत ने कोई प्रतिकूल निर्देश जारी नहीं किया है।

संपादक की कलम से

ग्लोबल वार्मिंग उबलती धरती और सत्तावादी महत्वाकांक्षाएं

ललित शर्मा
संपादक

ग्लोबल वार्मिंग आज कोई वैज्ञानिक कल्पना नहीं, बल्कि एक कठोर यथार्थ है। पृथ्वी का औसत तापमान निरंतर बढ़ रहा है। कभी असहनीय गर्मी लोगों का जीवन संकट में डाल देती है, तो कभी अचानक होने वाली अतिवृष्टि शहरों और गाँवों को जलमग्न कर देती है। कहीं अनावृष्टि के कारण खेत सूख रहे हैं, तो कहीं बाढ़ किसानों की वर्षों की मेहनत बहाकर ले जा रही है। ऋतुओं का स्वाभाविक चक्र अव्यवस्थित हो चुका है। बसंत और शरद जैसे मधुर मौसम सिमटते जा रहे हैं, जबकि गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। प्रकृति बार–बार चेतावनी दे रही है कि विकास की अंधी दौड़ में हमने उसके साथ अन्याय किया है। जंगलों की कटाई, औद्योगिक प्रदूषण, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को धीरे–धीरे बीमार बना रहा है। कभी हिमालय की चोटियाँ समय से पहले पिघलने लगती हैं, तो कभी समुद्र का बढ़ता जलस्तर तटीय क्षेत्रों के लिए खतरा बन जाता है। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का संकट है। मानव सभ्यता आज ऐसे दोहरे संकट के दौर से गुजर रही है, जहाँ एक ओर प्रकृति का संतुलन लगातार बिगड़ रहा है और दूसरी ओर राजनीति की महत्वाकांक्षाएँ विश्व में वैमनस्य, संघर्ष और अविश्वास का वातावरण निर्मित कर रही हैं। धरती का तापमान बढ़ रहा है, ऋतुओं का स्वभाव बदल रहा है, नदियाँ अपने प्रवाह से भटक रही हैं, और दूसरी तरफ राष्ट्र अपनी शक्ति, प्रभुत्व और विस्तारवादी नीतियों के कारण मानवता को युद्धों के मुहाने पर खड़ा कर रहे हैं। यदि समय रहते इन दोनों संकटों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो भविष्य की पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी। दूसरी ओर, विश्व राजनीति का परिदृश्य भी कम चिंताजनक नहीं है। वैश्विक मंच पर सहयोग और सहअस्तित्व की भावना कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। अनेक देशों के बीच अविश्वास, प्रतिस्पर्धा और वर्चस्व की होड़ बढ़ती जा रही है। युद्धों और संघर्षों की विभीषिका ने करोड़ों लोगों का जीवन प्रभावित किया है। कहीं सीमाओं के विस्तार की आकांक्षा है, कहीं सामरिक प्रभुत्व की लालसा, तो कहीं आर्थिक हितों की रक्षा के नाम पर संघर्षों को बढ़ावा दिया जा रहा है। जब राष्ट्र अपनी ऊर्जा शांति, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण पर लगाने के बजाय हथियारों और युद्ध की तैयारियों में खर्च करते हैं, तब मानवता का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। युद्ध केवल सैनिकों को नहीं मारते, वे आने वाली पीढ़ियों के सपनों को भी नष्ट कर देते हैं। विस्फोटों से केवल शहर नहीं टूटते, बल्कि मनुष्यों के भीतर विश्वास और करुणा भी खंडित हो जाती है। नफरत और ईर्ष्या का यह वातावरण समाजों के मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। मुसीबत यह है कि जिस समय पूरी दुनिया को जलवायु परिवर्तन जैसी साझा चुनौती का सामना करने के लिए एकजुट होना चाहिए, उसी समय राजनीतिक मतभेद और भू–राजनीतिक संघर्ष देशों को विभाजित कर रहे हैं। प्रकृति के सामने विकसित विकासशील देश एक समान है प्रकृति किसी से भेदभाव नहीं करती। बढ़ता तापमान, सूखा, बाढ़ और प्रदूषण सभी को समान रूप से प्रभावित करते हैं। इसलिए पर्यावरण संरक्षण और विश्व शांति एक–दूसरे के पूरक विषय हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व संकीर्ण राजनीतिक मानसिकता के हितों से ऊपर उठकर मानवता के व्यापक हितों के बारे में सोचे।

रक्तबीज

उदय किशोर साह

कविता

गद्दारों की फसल की। उत्तम खेती में ।
अग्रणि है। हिन्दुस्तान ,विश्व में हमारा ॥
किस्म किस्म का गद्दारी की बीज में ।
बुलंद है इन गद्दारों की तकदीर सितारा ॥
दुश्मन की बोली में ये सर्वत्र है बोली बोले ।
इनकी नस्ल है विदेशों में बड़ी ही दुलारा ॥

बंजर परती में लहलहाती है इनकी फसल ।
उपज ये देता श्रेष्ठ पर, देशद्रोही है। सारा ॥
दोगले नस्ल की संस्करण है ये सब पाई ।
फिर भी देश की मिट्टी इनको है गले लगाई ॥
लाज शर्म हया ना है इनके चेहरे पे ना आई ।
फिर भी ये सब कर ली विदेशों में सगाई ॥

इनकी बीज का गुण है जग में अपार ।
शहर शहर में है खुला इनकी कारोबार ॥
ना लाईसेंस की है इनको कभी जरररत ।
देश में प्रचुर इनकी नस्ल की पैदावार ॥
ना कोई खाद ना सिंचाई की होती जरुरत ।
दुश्मन देश की है हू ब हू सच्ची मूरत ॥

देश की मस्तक झूक जाती देख इनकी सूरत ।
गद्दारी की गुण में है ये सब है पाई है महारत ॥
दुश्मन की बोली से इनको है बड़ी प्यार ।
दुश्मन के काँधे पे टिका है इनकी संसार ॥
ये हैं देश में मूरख व उद्दंड व मक्कार ।
क्यूँ ना है इन तिलचट्टे को देश से प्यार ॥

दुश्मन का ये है अंधा बहुत बड़ा प्रशंसक ।
चीन पाक की है ये हर मोड़ पे सर्मथक ॥
पर देश की जनता को कब आयेगी ज्ञान ।
कब जनता करेगी इन चेहरों की पहचान ॥

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

जब मीडिया बन जाए हथियार: सूचना नहीं, भ्रम का प्रसार

एन0के0शर्मा
लेखक

कभी पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता था। यह वह शक्ति मानी जाती थी जो सत्ता के गलियारों में छिपे अंधेरों पर प्रकाश डालती थी, जो शासकों से प्रश्न पूछती थी, जो जनता की पीड़ा को शासन के दरबार तक पहुंचाती थी, और जो सत्य को किसी भी कीमत पर बचाए रखने का साहस रखती थी। लेकिन इक्कीसवीं सदी के इस तकनीकी और सूचना-प्रधान युग में एक भयावह प्रश्न पूरी दुनिया के सामने खड़ा है–यदि वही मीडिया, जो सत्य का प्रहरी होना चाहिए था, स्वयं सत्ता, पूंजी, वैचारिक समूहों और कॉरपोरेट हितों का हथियार बन जाए तो क्या होगा?

आज सूचना का युग नहीं, बल्कि सूचना के माध्यम से मनोवैज्ञानिक नियंत्रण का युग है। यह वह समय है जब युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, बल्कि लोगों के मस्तिष्कों के भीतर लड़े जा रहे हैं। बंदूकें, मिसाइलें और टैंक अब भी मौजूद हैं, लेकिन उनसे कहीं अधिक घातक हथियार हैं–समाचार चैनल, डिजिटल प्लेटफॉर्म, ट्रेंडिंग हैशटैग, प्रायोजित बहसें और नियंत्रित नैरेटिव। दुनिया के अनेक देशों में मीडिया का एक बड़ा हिस्सा अब सूचना का वाहक नहीं, बल्कि विचारों का अभियंता बन चुका है। उसका उद्देश्य घटनाओं को बताना नहीं, बल्कि घटनाओं की ऐसी व्याख्या करना है जिससे जनता एक पूर्व निर्धारित निष्कर्ष तक पहुंचे।

सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि आज झूठ को सच की तरह और सच को झूठ की तरह प्रस्तुत करने की कला को ही आधुनिक पत्रकारिता की सफलता माना जाने लगा है। किसी घटना का तथ्य अब महत्वपूर्ण नहीं रह गया, महत्वपूर्ण यह हो गया है कि उसे किस कोण से दिखाया जाएगा। कैमरे की दिशा बदलते ही अपराधी पीड़ित और पीड़ित अपराधी बना दिया जाता है। शब्दों के चयन से जनमत को मोड़ा जाता है। एक ही घटना को अलग-अलग मंचों पर इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है कि दर्शक वास्तविकता से अधिक भ्रम पर विश्वास करने लगता है।

यह केवल किसी एक देश की समस्या नहीं है। विश्व स्तर पर मीडिया संस्थानों का एक बड़ा वर्ग आर्थिक और राजनीतिक हितों के जाल में उलझ चुका है। विज्ञापनदाता संपादकीय स्वतंत्रता को प्रभावित कर रहे हैं। कॉरपोरेट घराने यह तय कर रहे हैं कि कौन-सा मुद्दा राष्ट्रीय संकट कहलाएगा और कौन-सा मुद्दा समाचारों के अंधेरे कोनों में दफन कर दिया जाएगा। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि समाचार कक्ष अब जनहित की प्रयोगशाला नहीं, बल्कि जनमत निर्माण की फैक्ट्री बन चुके हैं, जहां खबरें नहीं, बल्कि धारणा तैयार की जाती है।

इस पूरी प्रक्रिया का सबसे खतरनाक पक्ष यह है कि जनता को पता भी नहीं चलता कि उसके साथ क्या हो रहा है। उसे लगता है कि वह स्वतंत्र रूप से सोच रही है, जबकि उसके विचारों की दिशा पहले से निर्धारित की जा चुकी होती है। उसे लगता है कि वह स्वयं निष्कर्ष निकाल रही है, जबकि निष्कर्ष तक पहुंचने का रास्ता पहले ही मीडिया द्वारा निर्मित कर दिया गया होता है। यही आधुनिक सूचना युद्ध का सबसे परिष्कृत और सबसे खतरनाक रूप है।

आज दुनिया के अनेक हिस्सों में मीडिया संस्थान सत्ता से प्रश्न पूछने के बजाय सत्ता के प्रवक्ता बनते दिखाई देते हैं। बहसों में तथ्यों की जगह शोर ने ले ली है। संवाद की जगह आरोपों ने ले ली है। विश्लेषण की जगह उत्तेजना ने ले ली है। पत्रकारिता का उद्देश्य जनता को जागरूक करना था, लेकिन अब कई मंचों पर जनता को उत्तेजित, विभाजित और भ्रमित करना अधिक लाभदायक व्यवसाय बन चुका है। टीआरपी और क्लिक की भूख ने सत्य की गरिमा को निगल लिया है।

सबसे अधिक चिंताजनक स्थिति तब उत्पन्न होती है जब मीडिया समाज को विचारधारात्मक खांचों में बांटना शुरू कर देता है। एक वर्ग को दूसरे वर्ग का शत्रु घोषित किया जाता है। असहमति को देशद्रोह, और आलोचना को षड्यंत्र बताने की प्रवृत्ति बढ़ती है। ऐसे वातावरण में पत्रकारिता लोकतंत्र को मजबूत नहीं करती, बल्कि सामाजिक तनाव, अविश्वास और वैमनस्य को बढ़ाने का माध्यम बन जाती है। तब मीडिया सूचना का स्रोत नहीं, सामाजिक विघटन का उत्प्रेरक बन जाता है।

डिजिटल युग ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। पहले समाचार सीमित माध्यमों से प्रसारित होते थे, लेकिन अब प्रत्येक व्यक्ति के हाथ में एक ऐसा उपकरण है जो उसे चौबीस घंटे सूचना के बवंडर में रखता है। एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि व्यक्ति क्या देखेगा, क्या पढ़ेगा और क्या सोचने लगेगा। झूठी खबरें सत्य की तुलना में कहीं अधिक तेजी से फैलती हैं। सनसनीखेज दावे शोधपरक तथ्यों को दबा देते हैं। अफवाहें विश्लेषण पर भारी पड़ जाती हैं। परिणामस्वरूप समाज तथ्यों के आधार पर नहीं, बल्कि भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के आधार पर निर्णय लेने लगता है।

इतिहास गवाह है कि जब भी सूचना तंत्र पर नियंत्रण स्थापित हुआ है, तब-तब समाजों को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। अनेक अधिनायकवादी व्यवस्थाओं ने मीडिया का उपयोग जनता को नियंत्रित करने, विरोध को दबाने और सत्ता को वैध ठहराने के लिए किया। आज तकनीक ने उसी प्रक्रिया को और अधिक परिष्कृत, अदृश्य और प्रभावी बना दिया है। अब सेंसरशिप केवल खबर रोकने से नहीं होती, बल्कि हजारों अनावश्यक खबरों के शोर में महत्वपूर्ण खबरों को डुबो देने से भी होती है। सत्य को छिपाने का सबसे प्रभावी तरीका कभी-कभी झूठ बोलना नहीं, बल्कि इतना अधिक शोर पैदा करना होता है कि सत्य की आवाज सुनाई ही न दे।

पत्रकारिता की सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं है कि कुछ संस्थान पक्षपाती हो गए हैं। वास्तविक त्रासदी यह है कि पक्षपात को ही निष्पक्षता के रूप में प्रस्तुत किया जाने लगा है। प्रचार को पत्रकारिता और एजेंडे को विश्लेषण कहकर बेचा जा रहा है। जब समाचार उद्योग का उद्देश्य नागरिकों को जागरूक करने के बजाय उपभोक्ताओं को आकर्षित करना बन जाता है, तब लोकतंत्र धीरे-धीरे सूचनात्मक अंधकार की ओर बढ़ने लगता है।

फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि संपूर्ण मीडिया जगत को एक ही रंग से रंगना उचित नहीं होगा। आज भी अनेक पत्रकार, खोजी रिपोर्टर और स्वतंत्र मीडिया मंच हैं जो सीमित संसाधनों के बावजूद सत्य की खोज में लगे हुए हैं। वे दबावों, धमकियों और आर्थिक कठिनाइयों के बीच भी जनता के अधिकारों की रक्षा करने का प्रयास कर रहे हैं। यही लोग पत्रकारिता की उस मूल आत्मा को जीवित रखे हुए हैं जिसके बिना लोकतंत्र केवल एक औपचारिक व्यवस्था बनकर रह जाएगा।

वर्तमान समय का सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि मीडिया क्या दिखा रहा है, बल्कि यह है कि वह क्या नहीं दिखा रहा। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि कौन-सी खबरें प्रसारित हो रही हैं, बल्कि यह है कि कौन-सी खबरें लगातार दबाई जा रही हैं। नागरिकों को अब केवल समाचार उपभोक्ता नहीं, बल्कि समाचार विश्लेषक बनना होगा। प्रत्येक सूचना पर प्रश्न करना होगा, स्रोतों की जांच करनी होगी, और भावनाओं के स्थान पर तथ्यों को महत्व देना होगा।

क्योंकि जब मीडिया सूचना का माध्यम रहने के बजाय प्रभाव का हथियार बन जाता है, तब सबसे पहले सत्य घायल होता है, उसके बाद विवेक मरता है, फिर लोकतंत्र कमजोर होता है, और अंततः समाज स्वयं अपने ही बनाए भ्रम के जाल में फंस जाता है। उस समय समाचार कक्षों से निकलने वाली हर चमकती हुई हेडलाइन प्रकाश नहीं देती, बल्कि एक ऐसा धुंधलका रचती है जिसमें जनता को सब कुछ दिखाई देता है, सिवाय सत्य के। और किसी भी सभ्यता के लिए इससे बड़ा संकट शायद ही कोई दूसरा हो सकता है कि वह सत्य की हत्या को समाचार समझने लगे और भ्रम के प्रसार को ही सूचना का पर्याय मान बैठे।

राष्ट्र के उत्सव में मोहन भागवत ने आत्ममंथन का दीप जलाया

प्रो. आरके जैन
लेखक

राजनीति में ऐसे क्षण विरले आते हैं, जब कोई वाक्य भाषण की सीमा लांघकर राष्ट्रीय विमर्श का दर्पण बन जाता है। दावों की ऊंचाई और हकीकत की जमीन के बीच खड़े भारत को नागपुर से एक सीधा संदेश मिला। रेशीमबाग में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि 'हमारी तैयारी अभी अधूरी है, यही हमें विश्वगुरु बनने से रोक रहा है'। यह कथन इसलिए महत्वपूर्ण नहीं कि इसे संघ प्रमुख ने कहा, बल्कि इसलिए कि यह उस दौर में आया है जब उपलब्धियों का उत्सव अक्सर आत्ममंथन की आवश्यकता को ढंक देता है। राष्ट्रों का उत्थान जयघोषों से नहीं, अपनी कमियों को पहचानने और उन्हें दूर करने की क्षमता से होता है। भागवत ने दरअसल उस असुविधाजनक प्रश्न को सामने रख दिया, जिससे बचने की आदत राजनीति को भी है और समाज को भी–क्या हम वास्तव में उतने तैयार हैं, जितना हमारा दावा है?

भारत आज केवल एक देश नहीं, बल्कि वैश्विक अपेक्षाओं का केंद्र बनता जा रहा है। पश्चिम आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है, पश्चिम एशिया अस्थिरता की चपेट में है और वैश्विक व्यवस्था नए संतुलन की तलाश में भटक रही है। ऐसे दौर में भारत की सभ्यतागत चेतना, लोकतांत्रिक परंपरा और सांस्कृतिक विस्तार उसे अलग पहचान देते हैं। दुनिया भारतीय दृष्टि को सुनने को तैयार है, लेकिन वैश्विक मंच पर सम्मान केवल विचारों से नहीं, सामर्थ्य से मिलता है। इतिहास गवाह है कि नैतिक नेतृत्व उसी का स्वीकार किया जाता है, जिसके पास आर्थिक ताकत, तकनीकी श्रेष्ठता और मजबूत संस्थाएं हों। भागवत का संकेत स्पष्ट था–विश्वगुरु का स्थान घोषणा से नहीं, योग्यता और तैयारी से हासिल होता है।

भारत की उपलब्धियां जितनी बड़ी हैं, उतने ही बड़े उसके सामने खड़े कुछ अनुत्तरित प्रश्न भी हैं। अंतरिक्ष मिशनों से लेकर डिजिटल परिवर्तन, वैश्विक कूटनीति से लेकर आधारभूत विकास तक देश ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। इसके बावजूद गुणवत्तापूर्ण रोजगार, उत्कृष्ट शिक्षा, शोध की संस्कृति, न्यायिक दक्षता और

सामाजिक समरसता जैसे क्षेत्र अभी और सुदृढ़ीकरण की मांग करते हैं। किसी राष्ट्र की परिपक्वता केवल उसकी सफलताओं से नहीं, बल्कि अपनी कमियों को देखने की क्षमता से भी मापी जाती है। आत्मप्रशंसा प्रगति को धीमा करती है, जबकि आत्ममूल्यांकन उसे नई दिशा देता है।

हमारे सार्वजनिक जीवन की विडंबना यह है कि गंभीर विमर्श भी जल्द ही राजनीतिक संघर्ष का औजार बन जाता है। भागवत के वक्तव्य के साथ भी यही हुआ। विपक्ष ने इसे सत्ता पर परोक्ष प्रश्नचिह्न बताया, तो समर्थकों ने इसे विकास की गति बढ़ाने का संदेश माना। दोनों पक्षों के अपने तर्क हैं, लेकिन इस शोर में मूल मुद्दा ओझल हो गया। विश्वगुरु बनने का लक्ष्य न किसी एक सरकार का एजेंडा है, न किसी दल की उपलब्धि। यह पीढ़ियों के पुरुषार्थ, मजबूत संस्थाओं और समाज की सामूहिक चेतना से साकार होने वाली लंबी राष्ट्रीय यात्रा है। इसे राजनीतिक लाभ-हानि की संकीर्ण कसौटी पर नहीं परखा जा सकता।

भारत की असली कमी पूंजी या प्रतिभा की नहीं, राष्ट्रीय दृष्टि और अनुशासन की है। देश के पास विशाल युवा आधार, बड़ा बाजार, कुशल मानव संसाधन और ऐतिहासिक अवसर मौजूद हैं। चुनौती इन्हें संगठित राष्ट्रीय शक्ति में बदलने की है। विश्वविद्यालयों को ज्ञान-सृजन का केंद्र बनना होगा, उद्योगों को नवाचार का, राजनीति को दीर्घदृष्टि का और समाज को सहअस्तित्व का। यदि सामाजिक ध्रुवीकरण गहराता रहा, शिक्षा औसत स्तर पर अटकी रही और शोध उधार के विचारों पर टिका रहा, तो केवल ऊंची विकास दर भी भारत को वह वैश्विक प्रतिष्ठा नहीं दिला सकेगी जिसकी कल्पना की जाती है। विश्वगुरु होने का अर्थ उपदेश देना नहीं, बल्कि ऐसा राष्ट्रीय आचरण गढ़ना है जिसे दुनिया उदाहरण मानकर अपनाना चाहे। भागवत के वक्तव्य का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मसंतोष के खतरे को लेकर है। इतिहास बताता है कि सभ्यताओं को बाहरी चुनौतियों से अधिक नुकसान भीतर पनपी आत्ममुग्धता पहुंचाती है। जिस क्षण कोई समाज स्वयं को पूर्ण और निर्विवाद मान लेता है, उसी क्षण उसकी प्रगति की गति मंद पड़ने लगती है। भारत के लिए यह आत्मप्रशंसा नहीं, आत्मसंस्कार का समय है। यह मान लेना कि अभी कई मंजिलें बाकी हैं, कमजोरी नहीं बल्कि परिपक्वता का प्रमाण है। अपनी कमियों को पहचानने वाले राष्ट्र उन्हें दूर करने का मार्ग भी खोज लेते हैं, जबकि उन्हें नजरअंदाज करने वाले अंततः उन्हीं सीमाओं में घिर जाते हैं। संघ प्रमुख के बयान का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि इसमें उपलब्धियों पर प्रश्न नहीं, उन्हें टिकाऊ बनाने की चिंता दिखाई देती है। यह निराशा नहीं, दूरदृष्टि का स्वर है। यदि भारत वैश्विक व्यवस्था में प्रभावी नेतृत्व की आकांक्षा रखता है, तो उसे केवल आर्थिक शक्ति तक सीमित नहीं रहना होगा; ज्ञान, नवाचार और सामाजिक भरोसे में भी अग्रणी बनना पड़ेगा। विश्व नेतृत्व का आधार सामर्थ्य से बनता है, लेकिन उसकी स्वीकार्यता नैतिक विश्वसनीयता से तय होती है। भारत के पास दोनों हासिल करने की क्षमता है, शर्त केवल इतनी है कि वह दावों और धरातल के बीच मौजूद अंतर को ईमानदारी से पहचाने। इतिहास हर राष्ट्र को अवसर देता है, लेकिन नेतृत्व का अधिकार वही राष्ट्र अर्जित करते हैं जो अपनी आकांक्षाओं को उपलब्धियों में बदलने का सामर्थ्य रखते हैं। भागवत का वक्तव्य इसी सत्य की याद दिलाता है। भारत के पास गौरवशाली विरासत, व्यापक संभावनाएं और अपार शक्ति है। लेकिन इन्हें वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए अभी लंबी तैयारी और निरंतर सुधार की आवश्यकता है। यह समय आत्मसंतोष का नहीं, आत्मनिर्माण का है। विश्वगुरु का स्थान नारों दावों या प्रतीकों से नहीं मिलता; उसे ज्ञान, सामर्थ्य, अनुशासन, नवाचार और उपलब्धियों की निरंतर साधना से अर्जित करना पड़ता है। भारत के सामने मंजिल स्पष्ट है, अब उसकी गति और तैयारी ही तय करेगी कि वह इतिहास में एक संभावना बनकर दर्ज होगा या एक उपलब्धि बनकर।

भारत में मानसून की मुख्य दो चक्र प्रणालियाँ वर्षा लाती रहती हैं

स्नेहा सिंह
लेखिका

भारत में जिस नैऋत्य मानसून की बेसब्री से प्रतीक्षा की जा रही है, वह केरल में प्रवेश करके आगे बढ़ रहा है। एक ओर उत्तर भारत, मध्य भारत और पश्चिम भारत के राज्य गर्मी से झुलस रहे हैं, वहीं दक्षिण भारत में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो चुका है।

अनेक राज्यों में वर्षा का वातावरण बना हुआ है। यह मानसून अब धीरे-धीरे उत्तर की ओर बढ़ रहा है। अगले दो-तीन दिनों में इसके मुंबई तक पहुंचने के संकेत हैं। गुजरात में भी मानसून शायद जल्दी आ सकता है, हालांकि फिलहाल प्री-मानसून गतिविधियों के तहत लगभग एक सप्ताह तक छिटपुट वर्षा होने की संभावना मौसम विशेषज्ञों ने व्यक्त की है। इन सबके बीच रोचक बात यह है कि विभिन्न क्षेत्रों से भारत में प्रवेश करने वाली हवाएं ही भारत में मानसून लाती हैं।

वास्तव में भारत में मानसून केवल एक ही ऋतु नहीं है। यह एक वैज्ञानिक घटना है। यह ऐसी प्राकृतिक घटना है, जो देश की संस्कृति, सामाजिक व्यवस्था और सबसे बढ़कर अर्थव्यवस्था से जुड़ी हुई है। सामान्यतः हम मानते हैं कि जून से सितंबर तक होने वाली वर्षा ही मानसून है, लेकिन वास्तविकता इससे कुछ भिन्न है।

मौसम विभाग के अनुसार मानसून का दायरा बहुत व्यापक है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा कराने की जिम्मेदारी अलग-अलग हवाओं और उनकी प्रणालियों की होती है। प्राकृतिक रूप से बहने वाली हवाओं का एक निश्चित पैटर्न होता है, जो देश के विभिन्न दिशाओं में स्थित क्षेत्रों में वर्षा लाने का कारण बनता है।

'मानसून' शब्द की उत्पत्ति अरबी भाषा से हुई है। उसमें 'मौसिम' शब्द का अर्थ ऋतु या मौसम होता है।

हर छह महीने में हवाओं की दिशा में होने वाले परिवर्तन को मानसून की सही परिभाषा माना जाता है। भारत में मानसून को समझने से पहले यह जानना आवश्यक है कि मानसून आता क्यों है। इसका सीधा संबंध भूमि और समुद्र से है। गर्मियों के दौरान सूर्य की सीधी किरणें भारत के मैदानी भागों पर पड़ती हैं। इसके कारण गर्म और हल्की हवा धीरे-धीरे ऊपर उठती है। वहां एक निम्न दाब (लो प्रेशर) प्रणाली बन जाती है।

दूसरी ओर हिंद महासागर और अरब सागर का पानी भूमि की तुलना में थोड़ा देर से गर्म होता है। इसके कारण वहां उच्च दाब (हाई प्रेशर) प्रणाली सक्रिय होती है। इसके अतिरिक्त गर्मी और ठंड के दौरान हवाओं की गति और दिशा भी अलग-अलग होती है। विज्ञान का नियम है कि हवा हमेशा उच्च दाब से निम्न दाब की ओर चलती है। इसके कारण समुद्र की नमी वाली ठंडी हवा तेजी से भूमि की ओर बढ़ती है और वर्षा होती है।

भारत में हवाओं की यह दिशा बदलती रहती है। इसके कारण भारत में दो मुख्य वर्षा प्रणालियाँ सक्रिय होती हैं तथा इनके अलावा दो सहायक अथवा परिस्थिति-आधारित वर्षा प्रणालियां भी सक्रिय होती हैं। भारत में सबसे पहले दक्षिण-पश्चिम मानसून अर्थात नैऋत्य मानसून सक्रिय होता है।

जून से सितंबर तक यह वर्षा प्रणाली सक्रिय रहती है। इसके बाद उत्तर-पूर्व मानसून सक्रिय होता है। यह सितंबर से दिसंबर तक वर्षा लाता है। इसके अतिरिक्त शीतकालीन मानसून भी सक्रिय होता है, जो जनवरी और फरवरी में प्रभाव दिखाता है। इसके अलावा भारत में प्री-मानसून गतिविधियां होती हैं, जो मार्च से मई तक छिटपुट बौछारों के रूप में वर्षा कराती हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि जनवरी-फरवरी तथा मार्च से मई के दौरान अत्यधिक ठंड और गर्मी रहती है। इसके कारण वेस्टर्न डिस्टर्बेंस उत्पन्न होते हैं और बारबार प्री-मानसून गतिविधियां होती रहती हैं।

अप्रैल और मई के महीनों में ऐसी गतिविधियां अधिक होती हैं। इसके कारण आंधी, तूफान, वर्षा और ओलावृष्टि होती है। फिर भी इस प्री-मानसून वर्षा को वर्षा ही माना जाता है। कुछ राज्यों में इस वर्षा को लाभकारी माना जाता है। वैज्ञानिक रूप से इसे 'मावठा' कहा जाता है। पश्चिम बंगाल और असम में इसे 'काल बैसाखी' कहा जाता है। वहां होने वाली यह वर्षा कृषि के लिए लाभदायक मानी जाती है।

दूसरी ओर कर्नाटक और केरल में मावठे को 'मैंगो शॉवर' कहा जाता है। वहां आम के पकने में प्री-मानसून वर्षा सहायता करती है। इसी प्रकार कर्नाटक में यह कॉफी की फसल के लिए लाभकारी होने के कारण 'कॉफी ब्लॉसम' भी कहलाती है। इस वर्षा के बाद कॉफी के पौधों में फूल खिलने लगते हैं।

इसी प्रकार यदि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की बात करें तो दिसंबर से मार्च के बीच विशेष रूप से उत्तर भारत और हिमालयी राज्यों में वर्षा और हिमपात होता है। इसका मानसून से सीधा संबंध नहीं है, फिर भी इसे हवाओं के कारण होने वाले वर्षा-भेद का एक हिस्सा माना जाता है।

भूमध्यसागर में उत्पन्न हवाएं जेट स्ट्रीम के माध्यम से भारत तक पहुंचती हैं। यह वर्षा गेहूं की फसल के लिए लाभकारी मानी जाती है। इस वर्षा प्रणाली को प्रभावित करने वाले दो बड़े कारक एल नीनो और ला नीना हैं।

ला नीना के कारण अत्यधिक वर्षा होती है, जबकि एल नीनो के कारण वर्षा में कमी आती है। इस बार एल नीनो के व्यापक प्रभाव की आशंका भी व्यक्त की गई है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 की सफलता हेतु जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर 15 जून से 21 जून तक आयोजित किए जाने वाले 'योग सप्ताह' के सफल एवं व्यापक आयोजन हेतु बुधवार कलेक्ट्रेट सभागार, हापुड़ में जिलाधिकारी महोदया की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुष विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों, शिक्षा विभाग के प्रतिनिधियों तथा संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारियों ने सहभागिता की।

बैठक के दौरान अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग (Yoga for Healthy Ageing)' पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी महोदया ने कहा कि योग केवल रोगों की रोकथाम का माध्यम नहीं, बल्कि स्वस्थ, सक्रिय एवं आत्मनिर्भर जीवन का आधार है।

उन्होंने निर्देश दिए कि योग सप्ताह के दौरान आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों में इस वर्ष की थीम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा आमजन, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को योग के नियमित अभ्यास हेतु प्रेरित किया जाए। जिलाधिकारी ने जनपद में योग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विशेष रूप से निर्देशित किया कि जनपद के कन्या इंटर कॉलेजों एवं अन्य बालिका शिक्षण संस्थानों में पीसीओडी (PCOD) एवं पीसीओएस (PCOS) जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु संबंधित योगासनों एवं जीवनशैली संबंधी सुझावों पर आधारित होर्डिंग एवं सूचना सामग्री स्थापित की जाए, जिससे छात्राओं को योग के स्वास्थ्य लाभों की जानकारी प्राप्त हो सके।

बैठक में वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य संवर्धन पर भी विशेष बल दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ऐसे योगासनों एवं योगाभ्यासों का प्रचार-प्रसार किया जाए जो शरीर की सही मुद्रा (Posture), शारीरिक संतुलन (Balance), बॉडी एलाइनमेंट (Body Alignment), लचीलापन तथा स्वस्थ वृद्धावस्था को बढ़ावा देने में सहायक हों।

इसके लिए पार्कों, सामुदायिक केंद्रों, सार्वजनिक स्थलों तथा अन्य प्रमुख स्थानों पर जागरूकता संबंधी होर्डिंग एवं प्रचार सामग्री लगाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में योग सप्ताह के दौरान आयोजित किए जाने वाले सामूहिक योगाभ्यास, योग जागरूकता कार्यक्रम, विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर योग सत्र, जन-जागरूकता अभियान, स्वास्थ्य शिविर एवं अन्य गतिविधियों की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई। सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्यक्रमों को सफल, प्रभावी एवं जनसहभागिता पूर्ण बनाने के निर्देश दिए गए।

आयुष विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि योग सप्ताह के दौरान जनपद के विभिन्न स्थलों पर प्रतिदिन योग प्रशिक्षण, जागरूकता कार्यक्रम एवं सामूहिक योगाभ्यास आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से आमजन को योग के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक लाभों से परिचित कराया जाएगा।

बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 एवं योग सप्ताह के कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

ग्रेट निकोबार बचाने की मुहिम तेज: कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी के नेतृत्व में हापुड़ में चला हस्ताक्षर अभियान

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड ग्रेट निकोबार द्वीप के संरक्षण और पर्यावरण बचाने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी द्वारा बुधवार को जनपद हापुड़ में व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। यह अभियान कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी एवं शहर अध्यक्ष इरफान अहमद के संयुक्त नेतृत्व में नगर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया। नगरपालिका परिषद परिसर तथा अतरपुरा चौराहे स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा स्थल पर कांग्रेस कार्यकताओं ने आमजन से हस्ताक्षर कराकर ग्रेट निकोबार द्वीप को बचाने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने अभियान का समर्थन करते हुए हस्ताक्षर किए।कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने कहा कि केंद्र सरकार अपने पूंजीपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए नई दिल्ली से लगभग चार गुना बड़े (161 वर्ग किलोमीटर) अछूते जंगल क्षेत्र को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे करीब 1.5 करोड़ पेड़ों की कटाई होगी तथा हजारों वर्षों से वहां निवास कर रही जनजातियों के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो जाएगा। शहर अध्यक्ष इरफान अहमद ने कहा कि पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान चला रही है। उन्होंने बताया कि यह आठ दिवसीय अभियान 8 जून से 15 जून तक प्रदेश के प्रत्येक जनपद में संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत एकत्रित हस्ताक्षरों को 17 जून को प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजा जाएगा। जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने बताया कि अभियान को जनपद के सभी ब्लॉकों तक विस्तारित किया जाएगा और इसके लिए ब्लॉक अध्यक्षों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।इस अवसर पर पूर्व धौलाना विधानसभा प्रत्याशी पंडित अरविंद शर्मा, एडवोकेट रघुवीर सिंह, नरेश भाटी, आई.सी. शर्मा, गुलफाम कुरैशी, गौरव गर्ग, यशपाल ढीलोर, सुखपाल गौतम, अफजाल आढ़ती, देवेंद्र कुमार, मास्टर शहरयाब, ऋषिपाल सिंह, सविता गौतम, शादाब सैफी, खुशनूद अली, सुबोध शास्त्री, लोकपाल सागर, रामपाल आर्य सहित अनेक पदाधिकारी एवं का र्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीडीए को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर सपा की मासिक बैठक में मंथन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में बुधवार को मासिक बैठक एवं प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद वीरपाल सिंह यादव मौजूद रहे, जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह ह्यजग्गाह्ल ने की।

बैठक के दौरान महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव एवं बीसलपुर विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी दिव्या गंगवार ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए (पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक) समाज को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने नौकरियों में ओबीसी आरक्षण से जुड़े कथित घोटालों, नीट पेपर लीक प्रकरण तथा युवाओं, किसानों और आम जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से अपनी बात रखी। दिव्या गंगवार ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा सामाजिक न्याय, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों, युवाओं एवं किसानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी मजबूती के साथ लड़ती रहेगी।

बैठक में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनहित के मुद्दों को जनता तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

जोगराजपुर में चकबंदी के दौरान दो प्रतिशत भूमि कटौती का मामला फिर चर्चा में, ग्रामीणों ने उठाए सवाल

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत/पूरनपुर। ग्राम पंचायत जोगराजपुर में वर्षों पहले हुई चकबंदी प्रक्रिया को लेकर एक बार फिर ग्रामीणों के बीच चर्चा तेज हो गई है। ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकताओं का आरोप है कि चकबंदी के दौरान विभिन्न विकास कार्यों एवं सार्वजनिक उपयोग के लिए की गई भूमि कटौती का अपेक्षित लाभ गांव को नहीं मिल सका। अब ग्रामीण यह जानना चाहते हैं कि चकबंदी के समय की गई भूमि कटौती का उपयोग आखिर किस उद्देश्य से किया गया। जानकारी के अनुसार, चकबंदी प्रक्रिया शुरू होने के समय ही गांव के कुछ लोगों ने आशंका जताई थी कि यदि प्रक्रिया की निष्पक्ष निगरानी नहीं हुई तो भविष्य में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसी क्रम में सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष राजकुमार श्रीवास्तव ने तत्कालीन सांसद मेनका गांधी को पत्र भेजकर मांग की थी कि जोगराजपुर में चकबंदी कार्य की विशेष निगरानी कराई जाए और एक टीम गठित कर पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए। बताया जाता है कि मेनका गांधी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्कालीन जिलाधिकारी को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई और निगरानी के निर्देश दिए थे। उस समय संबंधित अधिकारियों की ओर से जवाब दिया गया था कि चकबंदी प्रक्रिया प्रारंभिक चरण में है और नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

ग्रामीणों का कहना है कि चकबंदी के दौरान विकास कार्यों, सार्वजनिक सुविधाओं और सामुदायिक उपयोग के लिए भूमि कटौती की गई थी। लोगों को उम्मीद थी कि गांव में खेल मैदान, खलिहान, खाद गड्ढे, बारात घर, सार्वजनिक भवन तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए भूमि सुरक्षित रखी जाएगी। लेकिन चकबंदी पूर्ण होने के बाद ग्रामीणों को ऐसी पर्याप्त भूमि दिखाई नहीं दी, जिससे अब कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि गांव में सार्वजनिक उपयोग के लिए छोड़ी गई कुछ भूमि पर भी समय-समय पर कब्जों की शिकायतें सामने आती रही हैं। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक शिकायतें की गई थीं। मामले की जांच की मांग भी कई बार उठाई गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि चकबंदी अभिलेखों और वर्तमान राजस्व रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो यह स्पष्ट हो सकेगा कि चकबंदी के दौरान की गई भूमि कटौती का वास्तविक उपयोग कहां और किस रूप में हुआ। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की जांच कराकर तथ्य सार्वजनिक किए जाएं ताकि वर्षों से उठ रहे सवालों का समाधान हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि पारदर्शी जांच से ही यह स्पष्ट होगा कि चकबंदी के दौरान सार्वजनिक हित के लिए आरक्षित की गई भूमि का लाभ गांव को मिला या नहीं।

जिंदा समाधि का फैसला दो माह के लिए टला, प्रशासन के आश्वासन पर महंत ने समाप्त किया अनशन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बिलसंडा(पीलीभीत)। लंगड़े बाबा देवस्थल के जीर्णोद्धार और अन्य मांगों को लेकर आंदोलनरत महंत सत्यगिरि ने जिला प्रशासन के आश्वासन पर अपना अनशन समाप्त कर दिया है। साथ ही उन्होंने जिंदा समाधि लेने के निर्णय को दो माह के लिए स्थगित कर दिया। ग्राम मझगवां स्थित मंदिर के महंत सत्यगिरि लंबे समय से जीर्णोद्धार, संपर्क मार्ग, पुलिया और शौचालय निर्माण की मांग कर रहे हैं।

मांगें पूरी न होने पर उन्होंने समाधि स्थल की खुदाई शुरू करा दी थी, जिससे प्रशासन में हड़कंप मच गया। जिला प्रशासन के निर्देश पर नायब तहसीलदार वीरपाल सिंह ने आश्रम पहुंचकर महंत से वार्ता की। प्रशासन ने मांगों के निस्तारण के लिए दो माह का समय मांगा, जिसके बाद महंत ने अनशन समाप्त कर दिया।

महंत सत्यगिरि ने कहा कि यदि दो माह के भीतर मांगों पर कार्य शुरू नहीं हुआ तो वह पुनः आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वहीं क्षेत्रवासियों की निगाहें अब प्रशासन द्वारा किए गए वादों पर टिकी हैं।

पुलिस भर्ती परीक्षा के तीसरे दिन परीक्षा में दोनों पालियों के कुल 4032 अभ्यर्थी हुए शामिल 2425 रहे अनुपस्थित

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में दूसरे दिन की आरक्षी पुलिस भर्ती लिखित परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। हापुड़ जिले के 9 परीक्षा केंद्रों पर 4032 अभ्यर्थियों ने पेपर दिया। जबकि 2425 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहे। प्रत्येक अभ्यर्थी की चेकिंग के बाद परीक्षा केंद्र में एंट्री हुई। वहीं, कल भी जिले में यूपी पुलिस भर्ती की लिखित परीक्षा होगी। उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा की एंट्री सुबह 8 बजे के बाद शुरू हुई। एक-एक अभ्यर्थी की चेकिंग हुई। इसके बाद ही उन्हें परीक्षा कक्ष के अंदर एंट्री दी गई। यहां हापुड़ जिले के 9 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक और द्वितीय पाली में शाम 3 बजे से 5 बजे तक 4032 अभ्यर्थियों ने पेपर दिया। प्रथम पाली में कुल 2800 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए तथा 1232 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में कुल 2839 अभ्यर्थी उपस्थित रहे तथा 1193 अभ्यर्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहे। प्रत्येक परीक्षा के लिए 9 सेक्टर और 9 स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात रहे। जनपद में चल रही पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर जिलाधिकारी द्वारा भी प्रत्येक परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण भी किया जा रहा है निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्र पर तैनात अधिकारियों को निर्देश दिए की अभ्यर्थी को परीक्षा शुरू होने से 1 घंटे पहले ही केंद्रों में प्रवेश दिया जाए तथा उनकी स्क्रीनिंग व बायोमेट्रिक कर सत्यापन भी करें। परीक्षा केंद्र पर किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाए। जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्र पर बने

यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में पिलखुवा के दो खिलाड़ियों ने जीते गोल्ड मेडल

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के पिलखुवा के निवासी दो खिलाड़ियों ने यूपी स्टेट शूंटिंग चैंपियनशिप जोकि नोएडा में 4 जून से 7 जून 2026 तक आयोजित हुई थी। इसमें रुद्र कर्दम ने 10 मीटर एयर पिस्टल में प्रथम स्थान और हर्षित कर्दम ने टीम मेडल में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है ।

जिलाधिकारी कविता मीना ने दोनों खिलाड़ियों को मेडल पहना कर सम्मानित किया। दोनों ही खिलाड़ियों ने गोल्ड मेडल जीत कर हापुड़ जिले का नाम रोशन किया । ये दोनों खिलाड़ी को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ हैं।

पीलीभीत में संगठन की नई जिला कार्यकारिणी का गठन, निर्विरोध चुने गए पदाधिकारी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत। पीलीभीत जिला कार्यकारिणी के चुनाव शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया बरेली के जिला अध्यक्ष एवं निर्वाचन अधिकारी जितेंद्र गंगवार की उपस्थिति में आयोजित की गई, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। चुनाव के दौरान विभिन्न पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। चुनाव परिणामों के अनुसार अवनीश गंगवार को जिला अध्यक्ष, अतुल गंगवार को जिला महामंत्री चुना गया। वहीं हरि सिंह गंगवार एवं मोहम्मद रिजवान को जिला उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अतिरिक्त वसीम अहमद को प्रांतीय प्रतिनिधि, रोशनी वर्मा को कोषाध्यक्ष, प्रियांशु द्विवेदी को मंत्री, रोहित माथुर को संगठन मंत्री तथा मोहित गोस्वामी को संयुक्त मंत्री पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन अधिकारी जितेंद्र गंगवार ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन की मजबूती एवं जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नई कार्यकारिणी संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की नीतियों एवं उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करेंगे।

बीसलपुर में पुलिस को चकमा देकर फरार हुआ चोरी का आरोपी, ड्यूटी में लापरवाही पर सिपाही निलंबित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत। पीलीभीत बीसलपुर में पुलिस की अभिरक्षा से एक चोरी का आरोपी फरार हो जाने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल परीक्षण कराने के बाद आरोपी को वापस कोतवाली लाया जा रहा था, तभी उसने पुलिसकर्मी को चकमा देकर मौके से फरार होने में सफलता हासिल कर ली। घटना के बाद पुलिस विभाग हरकत में आया और प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर संबंधित सिपाही को निलंबित कर दिया गया है। वहीं फरार आरोपी की तलाश में पुलिस की चार विशेष टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पटेल नगर निवासी राकेश कुमार ने छह जून को दिनदहाड़े हुई चोरी की घटना की शिकायत पुलिस से की थी। राकेश के मुताबिक वह अपनी दुकान पर मौजूद थे जबकि उनकी पत्नी घर के कमरे में सो रही थीं। इसी दौरान एक युवक खुले मुख्य द्वार से घर के अंदर घुस गया और बरामदे में रखी बैटरी तथा दो मोबाइल फोन चोरी कर ले गया।

घटना के बाद जब परिवार को चोरी की जानकारी हुई तो तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। जांच के दौरान मोहल्ले में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें आरोपी की तस्वीर स्पष्ट रूप से कैद हो गई थी। इसी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान कर ली और सोमवार को मोहल्ला ग्यासपुर स्थित उसके घर से उसे गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुल्तान के रूप में हुई। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई बैटरी और दोनों मोबाइल फोन भी बरामद कर लिए। आरोपी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर उसे कोतवाली में रखा गया।

मंगलवार दोपहर कांस्टेबल प्रबल प्रताप सिंह आरोपी को मेडिकल परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। चिकित्साधिकारी डॉ. चंदन सिन्हा ने करीब एक बजकर दस मिनट पर आरोपी का मेडिकल परीक्षण किया। परीक्षण के बाद आरोपी को बाइक से वापस कोतवाली ले जाया जा रहा था। इसी दौरान अस्पताल चौराहे के निकट सड़क पर बने स्पीड ब्रेकर के कारण बाइक की गति धीमी हुई। मौके का फायदा उठाते हुए आरोपी अचानक बाइक से कूद गया और महिला अस्पताल की ओर दौड़ते हुए फरार हो गया।

आरोपी के भागते ही पुलिसकर्मी के हाथ-पांव फूल गए। उसने तत्काल कोतवाल संजीव शुक्ला को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हो गई और आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश शुरू कर दी गई।

पुलिस ने फरार आरोपी के घर पर भी छापा मारा, लेकिन वह वहां नहीं मिला। पूछताछ के लिए आरोपी की मां बेगम को हिरासत में लिया गया, जबकि उसके पिता इरफान और भाई फुरकान से भी संपर्क कर आरोपी के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया गया। हालांकि परिवार के लोग उसके संबंध में कोई ठोस जानकारी नहीं दे सके।

कोतवाल संजीव शुक्ला ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चार अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं। पुलिस लगातार संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उधर, पुलिस अभिरक्षा से आरोपी के फरार होने की घटना को वरिष्ठ अधिकारियों ने गंभीरता से लिया है। पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने मामले की समीक्षा के बाद ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले कांस्टेबल प्रबल कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही पूरे प्रकरण की विभागीय जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं।

पुलिस का कहना है कि फरार आरोपी के खिलाफ अलग से मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। वहीं इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली और बंदियों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

हिस्ट्रीशीटर वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हापुड़ नगर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से थाना क्षेत्र से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है और जनपद मेरठ के थाना किठौर का हिस्ट्रीशीटर है। उसके विरुद्ध जनपद हापुड़ एवं मेरठ में चोरी समेत विभिन्न आपराधिक मामलों के करीब एक दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि अभियुक्त से बरामद मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जनपद में अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संभावित आगमन को लेकर शमसाबाद में तैयारियां तेज, डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में कस्बा शमसाबाद में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा के अनावरण एवं प्रस्तावित जनसभा कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। कार्यक्रम में भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संभावित आगमन को देखते हुए जिलाधिकारी मनीष बंसल ने मंगलवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने प्रतिमा अनावरण स्थल और जनसभा स्थल का भ्रमण कर विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ-सफाई, मंच व्यवस्था, बैठने की क्षमता, ध्वनि प्रणाली, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, बैरिकेडिंग, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने को कहा।

गर्मी को देखते हुए विशेष व्यवस्थाओं के निर्देश

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भीषण गर्मी को देखते हुए जनसभा में आने वाले लोगों के लिए पर्याप्त पेयजल, छाया और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही शौचालयों की स्वच्छता, पंडाल की मजबूती और सुचारु ट्रैफिक प्रबंधन पर विशेष फोकस रखने को कहा।

उन्होंने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा मंचीय व्यवस्था, डाइस प्लान, हेलीपैड, वीआईपी मूवमेंट और सुरक्षा प्रबंधों को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

30 हजार लोगों के पहुंचने की संभावना

कार्यक्रम के आयोजक एवं पूर्व विधायक डॉ. राजेंद्र सिंह ने बताया कि जनसभा में लगभग 30 हजार लोगों के शामिल होने की संभावना है। इसके लिए जनसभा स्थल पर कुर्सियां, छायादार व्यवस्था, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की तैयारियां की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के कई मंत्री, जनप्रतिनिधि और जनपद प्रभारी मंत्री भूपेंद्र चौधरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों के शामिल होने की संभावना है।

निरीक्षण के दौरान सीडीओ प्रतिभा सिंह, डीसीपी ईस्ट अभिषेक अग्रवाल, एसडीएम फतेहाबाद स्वाति शर्मा, पीडी डीआरडीए रेनू कुमारी, डीपीआरओ मनीष कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन का लक्ष्य कार्यक्रम को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और सफल तरीके से संपन्न कराना है, जिसके लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

सघन खेती बचाओ एवं समेकित जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम का शुभारम्भ

फतेह खान

रुदौली/अयोध्या(वेलकम इंडिया)। खेती बचाओ समेकित जन जागरूकता अभियान का प्रारम्भ मंगलवार को विकासखंड रूदौली अंतर्गत खेदीपुर ग्राम पंचायत में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रुदौली विधायक राम चन्द्र यादव ने किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक ने किसानों सें खेतों में जैविक खाद का प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद के प्रयोग से मनुष्यों में गंभीर बीमारियां पैदा हो रही हैं। बीमारियों सें बचने के लिए जरुरी है। कि हम खेतों में हरी खाद और सड़ी गोबर का प्रयोग करें। बैठक को डायरेक्टर गन्ना समिति गनौली डायरेक्टर राम प्रेस यादव ने सम्बोधित करते हुए सरकार की दर्जनों योजनाओं को सिलसिलेवार समझाकर गरीबों से उनका लाभ लेने की अपील की। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सुनील कुमार रावत, गनौली गन्ना सचिव अनिल कुमार, सहायक डायरेक्टर मृदा अयोध्या मण्डल सुभाष वर्मा, सहायक विकास अधिकारी कृषि श्री चंद्रसेन, बीटीएम आशीष वर्मा, आत्मा राम चतुर्वेदी, राम चन्द्र मौर्या, कम्प्यूटर ऑपरेटर राकेश कुमार, किसान राम प्रताप, फिरदौस अहमद, उमेश, राजेश, दिनेश रावत, सुशील कुमार सहित सैंकड़ो किसान उपस्थित थे।

उत्तराखण्ड विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति-2026 जारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के क्रम में सूचना प्रौद्योगिकी, सुराज एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उत्तराखण्ड विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति-2026 जारी कर दी गई है। इस नीति का उद्देश्य राज्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित विकास और नवाचार को बढ़ावा देते हुए उत्तराखण्ड को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना है। नई नीति में अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करते हुए स्थानीय आवश्यकताओं एवं चुनौतियों के समाधान के लिए विज्ञान और तकनीक के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया है। नीति का लक्ष्य आर्थिक विकास, सामाजिक समावेशन और पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए सतत विकास की दिशा में राज्य को आगे बढ़ाना है। इस नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तर पर एक सलाहकार निकाय का गठन किया जाएगा। नीति के तहत राज्य, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग को मजबूत बनाने के लिए व्यापक सहयोगात्मक तंत्र विकसित किया जाएगा।

राज्य सरकार के विभिन्न विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, निजी क्षेत्र की कंपनियों और स्टार्ट-अप्स में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार इकाइयों की स्थापना सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन भी किया जाएगा। नीति के अंतर्गत सार्वजनिक निधि से संचालित शोध कार्यों से प्राप्त डेटा का डिजिटल भंडारण किया जाएगा तथा इसे सभी हितधारकों तक सुरक्षित और सरल रूप से उपलब्ध कराया जाएगा। भारत सरकार की 'एक राष्ट्र, एक सदस्यता' पहल के माध्यम से शोध और विज्ञान संबंधी अभिलेखागारों तक पहुंच भी उपलब्ध होगी। 'आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड' की अवधारणा को साकार करने के लिए तकनीक के स्वदेशीकरण और स्थानीयकरण को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा। नई नीति के तहत राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप स्थानीय तकनीकी समाधान विकसित किए जाएंगे तथा पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को भी आधुनिक अनुसंधान एवं नवाचार से जोड़ा जाएगा। साथ ही शैक्षणिक संस्थानों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। नवीन शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षकों के कौशल विकास हेतु अत्याधुनिक शिक्षण-अधिगम केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। विज्ञान संचार और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए राज्य में विज्ञान नगरी, विज्ञान केंद्र, तारामंडल, अटल टिंकरिंग लैब, कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रयोगशालाएं, खगोल अवलोकन संघ तथा उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

पर्यावरण का बिगड़ता स्वरुप : कब आएगी जागरूकता?

ओ पी उनियाल

देहरादून(वेलकम इंडिया)। आज दुनिया का कोई-सा हिस्सा ऐसा नहीं है जो जलवायु परिवर्तन की मार न झेल रहा हो। कभी असमय धरती का तीव्रगति से बढ़ता तापमान, कभी अतिवृष्टि की मार तो कभी हाड़ गलाने वाली ठंड। अर्थात धरती के तापमान और मौसम में असमय बदलाव। जलवायु परिवर्तन वैश्विक तापमान में वृद्धि और पारिस्थितिकी तंत्र में असंतुलन का परिणाम है, जिससे हमारा पर्यावरण प्रभावित हो रहा है। कुल मिलाकर पर्यावरण का बिगड़ता स्वरुप देखने को मिल रहा है।

क्या धरती पर अनियोजित विकास संबंधी गतिविधियों का बोझ इतना बढ़ गया है कि धरती का संतुलन बिगड़ता जा रहा है, जिसका फर्क प्रकृति पर पड़ रहा है। नष्ट होती प्रकृति के परिणाम हमारे सामने गुजरते रहते हैं।

एक तरफ विकास की बात की जाती है तो दूसरी तरफ आएदिन विनाश का मंजर देखना पड़ रहा है। मानव जीवन में विकास जरूरी है लेकिन प्रकृति के साथ छेड़छाड़ कर नहीं। पर्यावरण संरक्षण का संदेश विभिन्न पर्यावरण संरक्षण करने वाली सरकारी, गैर-सरकारी संस्थाओं, सामाजिक संस्थाओं, पर्यावरणविदों व केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा दिया जाता है इसके बावजूद भी आमजन में जागरूकता नहीं आ रही है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति आज भी अनेकों लोग समर्पित हैं।

फिर भी हम चेत नहीं रहे हैं। इसके लिए जब तक एक-एक आदमी समर्पण भाव नहीं रखेगा तब तक लक्ष्य पूरा नहीं होगा। आज धड़ाधड़ पेड़ों का कटान कर तो दिया जाता है उनकी जगह नए पेड़ बहुत कम लगाए जाते हैं। यदि नए पेड़ लगाए भी जाते हैं तो उनकी देखभाल नहीं की जाती। पेड़ों से हमें शुद्ध हवा मिलती है जो कि हरेक प्राणी को जीवन देती है। जहां पेड़ होंगे भू-स्खलन, मिट्टी क्षरण की संभावना बहुत कम रहती है। पेड़ की जड़ों में नमी होती है जिससे पृथ्वी का तापमान संतुलित बना रहता है। हम यदि अपने घर के गलियारों, आसपास किसी भी रूप में हरियाली बनाए रखें तो यह भी छोटा-सा योगदान होगा।

सीएस ने कैंची धाम स्थापना दिवस मेले की तैयारियों को लेकर अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय में नैनीताल जिले में स्थित कैंची धाम में आयोजित होने वाले स्थापना दिवस के अवसर पर वार्षिक मेले की तैयारियों को लेकर सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक ली। मुख्य सचिव ने मेले को सुव्यवस्थित रूप से आयोजित कराए जाने के लिए पुलिस, जिला प्रशासन एवं लोक निर्माण विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने लोक निर्माण विभाग को श्रद्धालुओं के आवागमन का पीक टाईम को देखते हुए अगले 10 दिनों के लिए रूट प्लान एवं यातायात प्रबन्धन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र के लिए जोनल एवं सेक्टोरल प्लान तैयार किया जाए। उन्होंने पार्किंग मैनेजमेंट और रूट प्लान का प्रचार-प्रसार स्थानीय स्तर पर, राज्य एवं राज्य के बाहर भी किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन एवं रूकने के साथ ही यातायात संकुलन से बचने में किसी प्रकार की समस्या न हो।

मुख्य सचिव ने सौन्दर्यीकरण एवं लाइटिंग आदि कार्य शीघ्र पूर्ण कराते हुए मेला क्षेत्र एवं पार्किंग क्षेत्र में पेयजल एवं टॉयलेट आदि मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मल्टीलेवल पार्किंग के लिए आने और जाने का मार्ग व्यवस्थित रूप से रखा जाए, ताकि पार्किंग में जाम जैसी स्थिति उत्पन्न न हो।

उन्होंने पार्किंग एरिया से मंदिर तक आवागमन के लिए शटल सेवा की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने रूट डायवर्ट करने और वैकल्पिक मार्गों को तैयार, ब्लैक टॉपिंग आदि के कार्य करने के लिए पुलिस एवं लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया। मुख्य सचिव ने आकस्मिक परिस्थितियों के लिए निकासी योजना को भी अनिवार्य रूप से तैयार रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ एम्बुलेंस आदि की भी व्यवस्था अनिवार्य रूप से रखी जाए। उन्होंने आकस्मिक परिस्थितियों के लिए तैयार निकासी योजना को पुलिस एवं मंदिर से सम्बन्धित सुरक्षाकर्मियों के साथ अच्छे से ब्रीफ कराया जाए, ताकि निकासी योजना का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने भीड़ प्रबन्धन के लिए हितधारकों से लगातार संवाद करते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर सचिव धीराज सिंह गर्ब्याल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयुक्त कुमांऊ दीपक रावत, आईजी कुमाऊं श्रीमती निवेदिता कुकरेती, जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजुनाथ टीसी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

11 एवं 12 जून को 'दालचीनी: प्रवर्धन, सतत खेती एवं कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी में नवाचार' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार एवं कार्यशाला

देहरादून(वेलकम इंडिया)। परफ्यूमरी एवं सगन्ध अनुसंधान एवं विकास संस्थान, देहरादून में आयोजित होने वाली दालचीनी(सिनेमन) विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के सम्बन्ध में कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी ने आज मीडिया सेंटर, सचिवालय में प्रेस वार्ता की। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा 11 एवं 12 जून 2026 को 'दालचीनी: प्रवर्धन, सतत खेती एवं कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी में नवाचार' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार एवं कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन उत्तराखण्ड सरकार की महत्वाकांक्षी 'उत्तराखण्ड महक क्रांति नीति 2026–36' के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस सेमिनार में दालचीनी से सम्बन्धित अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय विशेषज्ञ प्रतिभाग करेंगे। इस मौके पर संस्थान के निदेशक डॉ. नृपेन्द्र चौहान भी मौजूद रहे।

ताजगंज में छात्रा की आत्महत्या से सनसनी, परिजनों ने युवक पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में थाना ताजगंज क्षेत्र में एक छात्रा द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। परिजनों का आरोप है कि मोहल्ले का एक युवक पिछले करीब डेढ़ वर्ष से छात्रा को लगातार परेशान कर रहा था, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया।

मृतका के पिता के अनुसार, आरोपी युवक उनकी बेटी पर दोस्ती करने का दबाव बनाता था। वह स्कूल और कोचिंग आते-जाते समय उसका रास्ता रोकता था तथा लगातार परेशान करता था। परिवार ने स्थिति को देखते हुए बेटी का स्कूल जाना भी बंद करा दिया था, लेकिन कोचिंग जाते समय भी युवक उसका पीछा और उत्पीड़न करता रहा।

परिजनों का कहना है कि उन्होंने कई बार युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना। आरोप है कि युवक बाद में धमकियां भी देने लगा था। इतना ही नहीं, वह परिवार की महिलाओं को भी फोन कर परेशान करता था, जिसके कारण परिवार ने उसके घर वाले रास्ते से आना-जाना तक बंद कर दिया था।

स्टोर रूम में फंदे से लटका मिला शव

मंगलवार सुबह छात्रा ने घर के स्टोर रूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर थाना ताजगंज पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बदनामी के डर से नहीं की शिकायत

छात्रा के पिता ने बताया कि उन्होंने सामाजिक बदनामी के डर से पहले पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। परिवार को उम्मीद थी कि समझाने पर युवक अपनी हरकतों से बाज आ जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

कार्रवाई की मांग

घटना के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों में भारी आक्रोश है। लोगों ने आरोपी युवक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि परिजनों की तहरीर और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा: एसपी ने केंद्रों का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था परखी

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस अधीक्षक हापुड़ ने थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की जांच प्रक्रिया एवं पुलिस बल की तैनाती का जायजा लिया।

उन्होंने केंद्रों पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों को परीक्षा के दौरान सतर्कता बरतने तथा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा की शुचिता बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों के आसपास भी पुलिस बल तैनात किया गया है, जिससे अभ्यर्थियों को सुरक्षित एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। इस दौरान संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

यूपी पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा 2026: आरबीएस कॉलेज केंद्र का अपर पुलिस आयुक्त ने किया निरीक्षण

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में उत्तर प्रदेश नागरिक पुलिस आरक्षी भर्ती-2026 परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए कमिश्नरेट आगरा पुलिस पूरी सतर्कता के साथ तैनात है। 8, 9 और 10 जून को आयोजित हो रही भर्ती परीक्षा के अंतिम दिन भी सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती गई।

पुलिस आयुक्त आगरा दीपक कुमार (आईपीएस) के निर्देशन में बुधवार को अपर पुलिस आयुक्त सचिंद्र पटेल ने आर.बी.एस. कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्र पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों और कंट्रोल रूम के माध्यम से की जा रही निगरानी व्यवस्था का अवलोकन किया।

साथ ही अधिकारियों एवं ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को परीक्षा को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपर पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि, नकल कराने के प्रयास या अवांछनीय तत्वों की मौजूदगी पाए जाने पर तत्काल और सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाए। उन्होंने परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

कमिश्नरेट पुलिस के अनुसार भर्ती परीक्षा को लेकर सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है तथा निगरानी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया गया है।

परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता या कानून-व्यवस्था से संबंधित समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभ्यर्थियों को निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

भू-माफियाओं की धमकियों से आक्रोशित भाकियू एकता शक्ति, एसीपी को सौंपा ज्ञापन

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को एसीपी सेंट्रल-1 से मिला और संगठन के युवा महानगर अध्यक्ष सतीश शर्मा के साथ कथित रूप से भू-माफियाओं द्वारा की गई अभद्रता, गाली-गलौच एवं जान से मारने की धमकियों के संबंध में ज्ञापन सौंपकर कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने एसीपी को बताया कि कुछ भू-माफिया तत्व लगातार सतीश शर्मा को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं तथा उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

संगठन का आरोप है कि ऐसे असामाजिक तत्वों की गतिविधियों से क्षेत्र की कानून-व्यवस्था प्रभावित हो रही है और आम नागरिकों में भय का माहौल बन रहा है। भाकियू (एकता शक्ति) के पदाधिकारियों ने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा सतीश शर्मा और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।एसीपी सेंट्रल-1 ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री अक्षित शर्मा, युवा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नीरज शर्मा, युवा राष्ट्रीय महासचिव पवन शर्मा, युवा राष्ट्रीय महासचिव नितिन पंडित, युवा मेरठ मंडल अध्यक्ष प्रमोद नेता जी, युवा प्रदेश सचिव बबलू पंडित, दादरी तहसील अध्यक्ष ब्रज किशोर सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।फोटो कैप्शन: एसीपी सेंट्रल-1 को ज्ञापन सौंपते भाकियू (एकता शक्ति) के पदाधिकारी।

जन चौपाल लगाकर सुनी ग्रामीणों की समस्या

एडीओ पंचायत ने जन समस्याओं का कराया निस्तारण समाधान का दिया भरोसा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बेलहर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत बढ़या में ग्राम पंचायत सचिवालय पर मंगलवार को शाम 6 बजे से रात्रि 10बजे तक गांव की समस्या गांव में समाधान कार्यक्रम के तहत चौपाल लगाई गई जहां सभी ग्रामीण उपस्थित होकर समस्या सुनी गई एवं विकास कार्यों को ग्राम पंचायत अधिकारी सचिव सौरभ चौधरी द्वारा पढ़कर सुनाया गया।

वहीं एडीओ पंचायत पंकज सिंह प्रभारी बीडीओ समाज कल्याण अवधेश कुमार एवं अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना समस्याओं को चिन्हित कर सम्बन्धित विभाग को दिया गया वहीं ग्राम प्रधान प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि बढ़या में लाइट के लिए ट्रांसफर 100केवी की समस्या है रसूलपुर में केबल की समस्या है जिसकी शिकायत की गई।

इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुभाष ने कहा चौपाल के माध्यम से लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गांव के विकास को गति देने के लिए ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं को समाधान किया जा रहा है।

समाज कल्याण अधिकारी अवधेश कुमार ने कहा की चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी जा रही हैं कुछ समस्याओं का मौके पर निस्तारण कराया गया जबकि बाकी बची शिकायतों को संबंधित अधिकारी को देखकर निस्तारण करने के लिए कहा गया वहीं रात्रि चौपाल में नादरत शिक्षा विभाग,लघु सिंचाई विभाग, पुलिस विभाग,पशु पालन विभाग,कृषि विभाग पूर्ति निरीक्षक इन विभाग के कर्मचारी अधिकारी मौजूद नहीं रहे इस दौरान एडीओ पंचायत पंकज सिंह,प्रभारी बीडीओ समाज कल्याण अधिकारी अवधेश सचिव सौरभ चौधरी, सर्वेश कुमार सिंह अजित सिंह ग्राम प्रधान राधेश्याम चौरसिया, प्रतिनिधि सुबस चौरसिया,आंगनबाड़ी कार्यकत्री कुसमा देवी, सुनीता मिश्रा सफाई कर्मचारी देवेन्द्र कनौजिया, सहित ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

लापता मासूम को पुलिस ने परिजनों को सौंपा

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान लापता हुई पांच वर्षीय मासूम बच्ची को पुलिस ने महज कुछ घंटों के भीतर सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।बागपत के गांव टांडा निवासी आबिद अपने परिवार के साथ कस्बे में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। समारोह के दौरान उनकी पांच वर्षीय पुत्री अनम अचानक लापता हो गई। बच्ची के गायब होने का पता चलते ही परिवार के लोग तलाश में जुट गए। परिजनों ने आसपास उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।सड़क किनारे अकेली घूम रही बच्ची पर राहगीरों की नजर पड़ी।पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने बच्ची को अपने संरक्षण में लेकर उसकी पहचान कराने और परिजनों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। पुलिस ने बच्ची का फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया, जिसके बाद उसकी पहचान संभव हो सकी।सोशल मीडिया पर प्रसारित सूचना के आधार पर कुछ ही घंटों में बच्ची के परिजनों का पता चल गया।सूचना मिलने पर पिता आबिद थाने पहुंचे और अपनी पुत्री को सकुशल देखकर भावुक हो गए।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि बच्ची के परिजनों की पुष्टि होने के बाद आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर उसे सुरक्षित उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया।

रिश्वत कांड में शिकायत के बाद सिपाही लाइन हाजिर

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाने में पिछले करीब चार वर्षों से तैनात कांस्टेबल मोनू नागर को उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पुलिस लाइन भेज दिया गया है। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में चचाओं का दौर शुरू हो गया है। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी आरिफ कुरैशी ने शिकायत में आरोप लगाया था कि उसे थाने में अवैध रूप से हिरासत में रखकर मारपीट की गई। साथ ही मामला निपटाने के नाम पर 16 हजार रुपये लेने का भी आरोप लगाया गया था। पीड़ित ने मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों से करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी। शिकायत मेरठ एडीजी कार्यालय तक पहुंचने के बाद विभागीय स्तर पर मामले का संज्ञान लिया गया। शिकायत की समीक्षा के उपरांत कांस्टेबल मोनू नागर को लाइन हाजिर किए जाने के आदेश जारी किए गए। हालांकि पुलिस विभाग की ओर से अभी तक आरोपों की पुष्टि नहीं की गई है और न ही जांच की अंतिम रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायतों को गंभीरता से लिया जाता है तथा आवश्यकतानुसार विभागीय कार्रवाई की जाती है। पुलिस लाइन के आरआई ने बताया कि संबंधित पुलिसकर्मी ने पुलिस लाइन में आमद करा ली है। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा बनी हुई है और लोग जांच के नतीजों का इंतजार कर रहे हैं।

बाइक अनियंत्रित होकर फिसली,घायल की उपचार के दौरान मौत

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के कस्बा एलम बाईपास मार्ग पर हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल बाइक सवार युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।परिजनों ने गंभीर माहौल में दाह संस्कार कर दिया है। बुधवार को शामली के मोहल्ला रेलपार निवासी 40 वर्षीय संजीव किसी कार्य से बाइक द्वारा बागपत की ओर जा रहा था।

बताया गया कि जैसे ही वह एलम बाईपास मार्ग पर पहुंचा, अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और सड़क पर फिसल गई। हादसे में संजीव गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा।दुर्घटना होते ही मौके पर राहगीरों और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई।राहगीरों ने तत्काल पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस कर्मियों की मदद से घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। हादसे की सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। चिकित्सकों ने घायल की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों के अनुसार जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में संजीव ने दम तोड़ दिया। बाइक सवार व्यक्ति की मौत से परिवार में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बाद में परिजनों ने गमगीन माहौल में मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया है।

खेत में काम करते समय युवक को सांप ने काटा, उपचार के बाद मिली छुट्टी

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। क्षेत्र के गंगेरू मार्ग निवासी एक युवक को खेत पर कार्य करते समय सांप ने काट लिया। घटना के बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी, जिससे परिजनों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार होने पर छुट्टी दे दी गई। जानकारी के अनुसार गंगेरू मार्ग निवासी वंश खेत पर दैनिक कार्य कर रहा था।

इसी दौरान अचानक खेत में मौजूद एक सांप ने उसे काट लिया। सांप के काटते ही युवक घबरा गया और उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। वह तुरंत घर पहुंचा और परिजनों को जानकारी दी।

सूचना मिलते ही परिवार के लोग युवक को लेकर नगर के,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। अस्पताल में तैनात चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने उसका तत्काल उपचार शुरू किया और आवश्यक चिकित्सकीय निगरानी में रखा।

समय पर अस्पताल पहुंचने और उपचार मिलने के कारण युवक की हालत में तेजी से सुधार हुआ। चिकित्सकों ने कुछ समय तक निगरानी रखने के बाद युवक की स्थिति सामान्य पाए जाने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी। फिलहाल युवक पूरी तरह सुरक्षित बताया जा रहा है और घर पर स्वस्थ्य लाभ ले रहा है।

उप्र पुलिस भर्ती परीक्षा-2025 को निष्पक्ष व पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने हेतु डीएम व एसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार तथा पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने संयुक्त रूप से उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा-2025 को निष्पक्ष, पारदर्शी, सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय खलीलाब, राजकीय कन्या इण्टर कालेज खलीलाबाद सहित अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पहुँचकर वहाँ की सुरक्षा व्यवस्था, व्यवस्थापन एवं परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

इस दौरान ड्यूटी में तैनात अधि0/कर्मचारीगण को परीक्षा की शुचिता बनाए रखने, अभ्यर्थियों के लिए सुगम एवं व्यवस्थित प्रवेश व्यवस्था सुनिश्चित करने, संदिग्ध व्यक्तियों पर सतर्क दृष्टि बनाए रखने तथा परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ न होने देने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए सघन निगरानी की व्यवस्था की गयी है । इसके अतिरिक्त सीसीटीवी कंट्रोल रूम, जनपदीय कंट्रोल रूम तथा डायल-112 को भी पूरी तरह अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं । पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि परीक्षा ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी । जनपद पुलिस द्वारा अभ्यर्थियों से अपील की गयी है कि वे समय से अपने परीक्षा केंद्र पर पहुँचे तथा परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करें ।

वरिष्ठ पत्रकार राजीव चौधरी की निष्पक्ष पत्रकारिता की बुलंद आवाज

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभा रहे हैं। पत्रकार राजीव चौधरी जनपद सहारनपुर में अपनी सक्रिय एवं जनहितकारी पत्रकारिता के लिए अलग ही पहचाने जाने वाले पत्रकार राजीव चौधरी हमेशा पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर चलने वाले व क्षेत्र की समस्याओं, सामाजिक मुद्दों और आम जनता की आवाज को प्रमुखता से उठाते रहे हैं।

उनकी पत्रकारिता का उद्देश्य केवल समाचार प्रकाशित करना नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करना और जनता की बात को प्रशासन तक पहुंचाना है। अपनी मेहनत, ईमानदारी और निष्पक्ष कार्यशैली के बल पर उन्होंने पत्रकारिता जगत में एक अलग पहचान बनाई है।

वेलकम इंडिया दैनिक समाचार पत्र से जुड़े पत्रकार राजीव चौधरी लगातार क्षेत्र की छोटी-बड़ी खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित कर जनसेवा का कार्य कर रहे हैं। उनकी कलम हमेशा सत्य, निष्पक्षता और जनहित के लिए समर्पित रही है पत्रकार राजीव चौधरी का मानना है कि सच्ची पत्रकारिता वही है जो समाज के हित में कार्य करे और जनता की आवाज को मजबूती से उठाए। यही सोच उन्हें एक जिम्मेदार और लोकप्रिय पत्रकार बनाती है।

सपा जिलाध्यक्ष का एलम में स्वागत, भाजपा सरकार पर साधा निशाना

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। क्षेत्र के कस्बा एलम में समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र कुमार ताना के स्वागत में कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्व विधायक रतनपाल पंवार एवं पूर्व चेयरमैन डॉ. दीपा पंवार के आवास पर हुए समारोह में कार्यकर्ता व समर्थक शामिल हुए। कार्यकताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर जिलाध्यक्ष का स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र कुमार ताना ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है और प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने से उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बढ़ती महंगाई को भी जनता के लिए बड़ी समस्या बताया। पूर्व विधायक रतनपाल पंवार ने कहा कि सरकार दलितों, पिछड़ों, किसानों और मजदूरों की उपेक्षा कर रही है। उन्होंने प्रदेश में अपराध बढ़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा गरीबों और किसानों की आवाज बनकर खड़ी रही है।पूर्व चेयरमैन डॉ. दीपा पंवार ने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। साथ ही कार्यकताओं से गांव-गांव जाकर पार्टी की नीतियों का प्रचार करने और संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस दौरान वतन सिंह सैनी, इमरान राणा, ब्रह्मपाल, बालकिशन, इंद्रपाल, विपिन, कादिर, विक्रांत पंवार, राजकुमार, सुरेश प्रधान भभीसा, बसंत धारियां समेत अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण हमारा नैतिक दायित्वः बोहरा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बाड़मेर राजस्थान। थार नगरी, बाड़मेर को हरा-भरा बनाने को लेकर जन कल्याण संस्थान, बाड़मेर की ओर से लगातार एक घर एक पौधा अभियान के माध्यम से पौधारोपण एवं परिण्डा अभियान के तहत के पंछियों की जल सेवा में मिट्टी के परिण्डे लगाएं जा रहे है। जिस कड़ी में मंगलवार को श्री नाकोड़ा जैन तीर्थ के ट्रस्टी मांगीलाल संखलेचा एवं संस्थान अध्यक्ष मुकेश बोहरा अमन की उपस्थिति में महाबार रोड़ जैन मोहल्ला में पौधरोपण किया गया। वहीं वांकल धाम दुर्गा रेजिडेंन्सी परिसर में मिट्टी के परिण्डे लगाएं गए। पवन वडेरा ने बताया कि संस्थान की ओर से निरन्तर शहर भर में पौधारोपण, जल कुण्डी एवं परिण्डे लगाने का कार्य किया जा रहा है। जिस कड़ी में मंगलवार को संस्थान की ओर से महाबार रोड़ जैन मोहल्ल में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। साथ ही दुर्गा रेजिडेंसी परिसर में पेड़ों पर मिट्टी के परिण्डे लगाकर नियमित जल व्यवस्था की जिम्मेदारी भोमाराम को दी गई। संस्थान अध्यक्ष मुकेश बोहरा अमन ने कहा कि पर्यावरण के प्रति हम सबका नैतिक दायित्व बनता है कि हम पर्यावरण के तमाम घटकों में समन्वय व तालमेल बनाकर रखें। अमन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सबका नैतिक दायित्व है। ऐसे में हमें अधिक से अधिक पौधारोपण कर उन्हें संरक्षित करना चाहिये।

एक ऐसे जांबाज IPS अधिकारी की जिनको लोग अभिनन्दन सिंह के नाम से जानते है

राजीव चौधरी

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। अभिनंदन सिंह का जन्म 31 मार्च 1989 को बिहार में हुआ। उनके पिता चंद्र प्रकाश सिंह प्रोफेसर थे, इसलिए घर में पढ़ाई और अनुशासन का माहौल रहा। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में B.Tech की डिग्री पूरी की।

इंजीनियरिंग पूरी करने के बाद कई युवाओं की तरह नौकरी की राह पकड़ सकते थे, लेकिन उन्होंने बड़ा सपना देखा देश की सेवा करने का। उन्होंने सिविल सेवा की तैयारी शुरू की। कड़ी मेहनत के बाद UPSC परीक्षा पास करके 2014 बैच में भारतीय पुलिस सेवा (IPS) में चयनित हुए।

22 दिसंबर 2014 को उन्होंने आधिकारिक रूप से सेवा में शामिल होकर ट्रेनिंग पूरी की। उनका पुलिस करियर सख्ती और जवाबदेही की मिसाल है अभिनंदन सिंह उत्तर प्रदेश कैडर के अधिकारी हैं।

उन्होंने यूपी के कई चुनौतीपूर्ण जिलों में काम किया हैः जैसे कौशांबी बांदा मे (जून 2021 से अगस्त 2023) तक मिजार्पुर मे (अगस्त 2023 से जनवरी 2025) तक बस्ती मे भी काम किया।

सहारनपुर मे 4 फरवरी 2026 को उन्होंने सहारनपुर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) का पदभार संभाला वे लापरवाही बर्दाश्त नहीं करते, चाहे वह अपने विभाग की ही क्यों न हो।

सहारनपुर में एक्शन मोड सहारनपुर SSP बनते ही उन्होंने साफ संदेश दिया। अपराध पर जीरो टॉलरेंस, नशे का कारोबार बंद, यातायात व्यवस्था सुधार और महिलाओं की सुरक्षा।

वे खुद फील्ड में उतरते हैं,थानों का आकस्मिक निरीक्षण करते हैं और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई करते हैं। बहादुरी का सबसे बड़ा उदाहरण मई 2026 में सहारनपुर में एक यादगार घटना हुई।

पुलिस को 1 लाख रुपये इनामी शातिर बदमाश एहसान कपूरी की सूचना मिली। SSP अभिनंदन सिंह खुद टीम का नेतृत्व कर रहे थे। मुठभेड़ के दौरान बदमाश ने फायरिंग की।

एक गोली सीधे ररढ अभिनंदन सिंह की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी, लेकिन वे बाल-बाल बच गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एहसान को मार गिराया गया। इस ऑपरेशन में कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हुए, लेकिन SSP की हिम्मत ने पूरी टीम को प्रेरित किया।

यह घटना उनकी निडरता और नेतृत्व क्षमता की सच्ची मिसाल बन गई। व्यक्तिगत जीवन और मूल्य अभिनंदन सिंह एक साधारण परिवार से आते हैं। वे राजनीतिक दबाव से दूर रहकर काम करते हैं। उनकी कार्यशैली बहुत ही सीधी है – कानून का राज स्थापित करना।अपराधी, माफिया और नशे के सौदागर उन्हें देखकर कांपते हैं, जबकि आम जनता में उनकी छवि एक ईमानदार और बहादुर अधिकारी की है। वे फील्ड वर्क पसंद करते हैं और अक्सर खुद ऑपरेशनों में आगे रहते हैं।

उनके पिता से मिले अनुशासन और शिक्षा के संस्कार आज भी उनके काम में दिखते हैं। आईपीएस अभिनंदन सिंह की कहानी बताती है कि सपने बड़े हो तो मेहनत भी बड़ी करनी पड़ती है।

इंजीनियरिंग से IPS तक का सफर और फिर फील्ड में खुद को साबित करना यह रास्ता आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने इसे हासिल कर लिया।

वे यूपी पुलिस के उन अधिकारियों में शामिल हैं जो सच्ची लगन और साहस से अपराध पर लगाम लगाने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी कहानी सुनकर युवाओं में नई ऊर्जा भर जाती है – कि अगर इरादा पक्का हो तो कुछ भी असंभव नहीं। अभिनंदन सिंह जैसे अधिकारी समाज के लिए मिसाल हैं। सख्त, ईमानदार, मेहनती और निडर माने जाते हैं।

हिंदी -उर्दू अदबी संगम द्वारा पुस्तक लोकार्पण व पर्यावरण मित्र सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी की प्रसिद्ध साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था हिंदी- उर्दू ,अदबी संगम के तत्वावधान में हिंदी भवन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण मित्र सम्मान एवं पुस्तक लोकार्पण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त साहित्यकार, लेखिका डॉ. सविता चड्ढा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में लेखिका एवं समाजसेविका डॉ.अंजू क्वात्रा, साहित्यकार ममता सिंह, पर्यावरण अतिथि के रूप में वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, अंतरराष्ट्रीय लेखक, पत्रकार -विचारक डॉ. शंभु पंवार,एवं दिल्ली विश्व विद्यालय की प्रोफेसर अंजू अग्रवाल, शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डॉ कल्पना पाण्डेय 'नवग्रह'उपस्थित रहे और अध्यक्षता डॉ.सैयद अख्तर अली नकवी ने की। एवं शानदार संचालन शकुंतला मित्तल ने किया।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉ.सैयद अख्तर अली नकवी के संपादन में पर्यावरण विषयक पुस्तक 'हमारा पर्यावरण ओर आपका स्वास्थ्य' एवं नोयडा की डॉ . नीता रानी की पुस्तक 'योगिनी' एवं छत्तीसगढ़ के डॉ. गंगाराम आश्रम की पुस्तक 'छत्तीसगढ़ के माटी पुत्र शहीद चिरंजीवी बघेल' की पुस्तक का अतिथियों ने लोकार्पण किया।

डॉ. सैयद अख्तर नकवी द्वारा संपादित पुस्तक 'हमारा पर्यावरण और आपका स्वास्थ्य' में देश के प्रतिष्ठित पर्यावरणविदों, लेखकों, पत्रकारों, प्रोफेसरों व बुद्धिजीवियों के शोधपरक आलेख और विचार संकलित है। इस पुस्तक के संपादन में इंद्रकांत आगंरिक एवं शहनाज परवीन का भी सहयोग रहा।

जिलाधिकारी ने किया विटामिन ए सम्पूर्ण अभियान-जून 2026 का उद्घाटन

विटामिन ए एक शिशु सुरक्षा कवचः जिलाधिकारी

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान द्वारा जिला महिला चिकित्सालय में विटामिन ए सम्पूर्ण अभियान-जून 2026 का उद्घाटन फीता काटकर किया। उद्घाटन के अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा 09 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलायी गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि विटामिन ए एक शिशु सुरक्षा कवच है, जो कि प्रत्येक बच्चे तक पहुंचाया जाना अत्यन्त आवश्यक है। उनके द्वारा सभी जनपदवासियों से अपील की गयी कि अपने 09 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की खुराक अवश्य पिलायें तथा आई0एफ0ए0 सिरप अवश्य प्रदान करें।

उनके द्वारा प्रत्येक टीकाकरण कर्मी से अपेक्षा की गयी कि आप जनता और स्वास्थ्य विभाग के बीच की कड़ी है, आपके कंधों पर बच्चों के स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, आप इस जिम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से निभाते हुये बच्चों को आच्छादित करायें तथा भारत एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण आकांक्षाओं व लक्ष्य को पूर्ण करने में भागीदारी निभायें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 प्रवीण कुमार ने बताया कि विटामिन ए सम्पूर्ण अभियान का प्रथम चरण आज 10 जून 2026 से संचालित किया जा रहा है, जो एक माह तक संचालित रहेगा। इसके अंतर्गत 09 माह से 05 वर्ष तक के 482860 बच्चों को विटामिन ए की खुराक से आच्छादित किया जायेगा। विटामिन ए सम्पूरण कार्यक्रम प्रति वर्ष दो चरणों में छः माह के अन्तराल पर आयोजित किया जाता है। विटामिन ए एक वसा में घुलनशील विटामिन है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, इससे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोत्तरी होती है और वे स्वस्थ व पोषित रहते हैं।

डॉ0 प्रवीण कुमार ने बताया कि एनीमिया के कारण बच्चों के आरंभिक जीवन में शारीरिक एवं मानसिक विकास प्रभावित होता है, जिसका प्रभाव भविष्य में भी पड़ता है। 6 माह के शिशुओं से लेकर 59 माह (5 वर्ष) के बच्चों में एनीमिया से बचाव के लिये एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के अंतर्गत 06-59 माह की आयु के बच्चों को आईएफ्फ सिरप 50 एमएल विध ऑटो डिस्पेन्सर से आच्छादित किया जाता है।

प्रदेश में आयरन फोलिक एसिड सीरप के प्रयोग एवं उसके महत्व के बारे में प्रचार-प्रसार, वितरण प्रक्रिया को सुदृढ़ करने तथा आयरन फोलिक एसिड सीरप के इस्तेमाल को बढ़ाने हेतु प्रदेश सरकार द्वारा विटामिन ए सम्पूरण कार्यक्रम में आयरन फोलिक एसिड सीरप वितरण को जोड़ने का निर्णय लिया गया है।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा0 मुकेश कुमार द्वारा बताया गया कि जनपद में एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी के सहयोग से विटामिन ए सम्पूर्ण अभियान का संचालन किया जायेगा। अभियान के अंतर्गत बुधवार एवं शनिवार को आयोजित होने वाले टीकाकरण सत्रों पर विटामिन ए की खुराक दी जायेगी। उन्होने बताया कि विटामिन ए के शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता में वृद्धि, आंखों की परत कोर्निया की सुरक्षा, दस्त व श्वास संबंधी रोगों से बचाव, आंख के रोगों जैसे रतौंधी से बचाव, कुपोषण में कमी एवं शारीरिक विकास में सहायक होती है। 9 माह से 5 वर्ष तक छः माह के अंतराल से विटामिन ए सम्पूरण द्वारा बाल जीवितता में 20 प्रतिशत की वृद्धि सम्भव है।

इस अवसर पर जिला महिला चिकित्सालय से डा0 संजय यादव-वरिष्ठ परामर्शदाता, डा0 नवदीप गुप्ता-वरिष्ठ परामर्शदाता, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी-डा0 मुकेश कुमार, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 कपिल देव, चीफ फार्मासिस्ट भण्डारी, अपर शोध अधिकारी विनोद कुमार, पवन कुमार, अरविन्द कुमार, पीसीआई से सुश्री गुलफशा, नदीम अखलाक, संदीप धीमान, जिला महिला चिकित्सालय से आई0ओ0 एवं उनके समस्त टीकाकरण कर्मी उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति कल्याण योजनाओं और अत्याचार मामलों की हुई समीक्षा

अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य लवकुश कुमार

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, भारत सरकार के सदस्य लवकुश कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं एवं अत्याचार से संबंधित मामलों की समीक्षा की।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वि/रा) सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में छात्रवृत्ति, पेंशन, आवास, स्वरोजगार एवं कौशल विकास योजनाओं की प्रगति का आकलन करते हुए पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

साथ ही अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा पीड़ितों को समय पर राहत एवं न्याय दिलाने पर जोर दिया गया।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपाइयों ने किया स्वच्छता अभियान और पौधारोपण

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। केंद्र की मोदी सरकार के 12 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को जहांगीराबाद में भाजपा कार्यकताओं ने सेवा और समर्पण का भाव दिखाते हुए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। बालाजी मंदिर ग्राउंड में आयोजित इन कार्यक्रमों का नेतृत्व स्थानीय भाजपा विधायक संजय शर्मा ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत स्वच्छता अभियान के साथ हुई। विधायक संजय शर्मा, पालिकाध्यक्ष किशनपाल लोधी, भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाश सैनी समेत अन्य पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने बालाजी मंदिर परिसर में साफ-सफाई की। इसके साथ ही पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पौधारोपण भी किया गया।

कार्यकताओं ने आमजन से अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की। कार्यक्रम का अगला चरण हवन यज्ञ रहा, जिसमें भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने आहुति देते हुए क्षेत्र की खुशहाली, जन-कल्याण और देश की निरंतर उन्नति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इसके पश्चात एक भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक संजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

उन्होंने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा, पिछले 12 वर्षों में सरकार ने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। पालिकाध्यक्ष किशनपाल लोधी और मंडल अध्यक्ष कैलाश सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'स्वच्छ भारत', 'हरा-भरा पर्यावरण' और 'विकसित भारत' के जो संकल्प लिए थे, वे धरातल पर सार्थक हो रहे हैं। उनके कुशल नेतृत्व में देश में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऑपरेशन सवेराः थाना जनकपुरी पुलिस ने 120 ग्राम चरस के साथ शातिर नशा तस्कर को किया गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक अभिषेक सिंह द्वारा नशे के अवैध कारोबार और ड्रग्स तस्करी पर प्रभावी रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन सवेरा' (नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर) के तहत जनकपुरी थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक नेमचन्द सिंह के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए अस्पताल के पीछे वाली रोड पर सरकारी ट्यूबवैल के पास से एक शातिर नशा तस्कर, इंतजार उर्फ बाबर, निवासी मोहल्ला अम्बेहटापीर, नकुड़ को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से 120 ग्राम अवैध चरस बरामद की गई है, जिसके आधार पर थाना जनकपुरी में मु0अ0सं0 136/26 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस सराहनीय और कामयाबी भरी कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में मुख्य रूप से उपनिरीक्षक उ0नि0 राजकुमार, हेड कांस्टेबल उस्मान, कांस्टेबल संदीप और कांस्टेबल गौरव शामिल रहे। पुलिस अब पकड़े गए आरोपी के पिछले आपराधिक इतिहास को देखते हुए उसके पूरे नेटवर्क (फॉरवर्ड एंड बैकवर्ड लिंकेज) की गहनता से जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में हुआ साफ-सफाई अस्पतालों में वितरण हुआ फल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मिजार्मुराद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकताओं द्वारा बुधवार की सुबह भाजपा एमएलसी धर्मेन्द्र राय एवं भाजपा जिलाध्यक्ष वाराणसी राम शकल पटेल के नेतृत्व में सेवापुरी विधानसभा के भीमचंडी गांव स्थित मां भीमचंडी मंदिर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया और मंदिर परिसर में पौधरोपण किया गया। जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने कहां की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज विकास, सुशासन, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और वैश्विक सम्मान के नए आयाम स्थापित कर है।

उनके नेतृत्व में 'विकसित भारत-2047' का संकल्प देशवासियों के सामूहिक प्रयासों से निरंतर साकार हो रहा है। उसके बाद आराजी लाइन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में अस्पताल में भर्ती मरीजों के बीच फल वितरण किया गया।

वही सभी मरीजों का कुशलक्षेम भी जाना गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला महामंत्री प्रवीण सिंह गौतम, एमएलसी प्रतिनिधि संदीप सिंह 'मिंटू', जिला उपाध्यक्ष अरविंद सिंह पटेल, सेवापुरी विधायक प्रतिनिधि अदिति सिंह पटेल, अजय सिंह 'मुन्ना', संदीप तिवारी, अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', मंडल अध्यक्ष अभिषेक दूबे, विवेक सिंह, डॉ.रमेश पटेल, ग्राम प्रधान विजय गुप्ता, जगदीश जायसवाल, शिवधनी पटेल, राजेश राजभर, प्रेम शंकर पाठक, राकेश बिन्द, ओम प्रकाश पटेल, अजय समेत दर्जनों भाजपा कार्यकता मौजूद रहे।

घर में घुसकर मां बेटे पर किया हमला

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। स्याना कोतवाली पर क्षेत्र के ग्राम बरोली वासदेवपुर निवासिन महिला ने गांव के ही 2 भाईयों के विरुद्ध तहरीर दी कि उक्त दोनों एकराय होकर उनके घर में घुस आए तथा हमला कर उन्हें व उनके 12 वर्षीय पुत्र के साथ मारपीट की। अवगत कराया कि उनके पति बाहर रहकर गाड़ी चलाते हैं तथा पड़ोसी राहुल व सोनू आए दिन गाली-गलौच करते हैं। आरोपित किया कि उक्तजन दबंग व गुंडा प्रवृति के व्यक्ति हैं तथा दोनों ने एकराय होकर अचानक घर पर हमला बोल दिया। आरोपित है कि उक्त ने गाली-गलौच कर ईंटों तथा डंडों से पीड़िता व उनके 12 वषीर्या पुत्र हनी के साथ मारपीट की। आरोपित किया है कि सोनू उन पर बुरी नजर रखता है तथा सोनू व राहुल ने उनके कपड़े भी फाड़ दिए। पीड़िता के अनुसार उनके द्वारा शोर मचाने व 112 नम्बर पुलिस को सूचना देने पर आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये। पीड़िता ने आशंका जताई कि आरोपितजन कभी भी किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते है। पीड़िता द्वारा मारपीट में आंख व टांग पर गम्भीर चोटें आने का जिक्र करते हुए पुलिस से मांग की गई कि आरोपितों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि वे भविष्य में किसी बड़ी घटना को अंजाम न दे सकें। स्याना कोतवाली पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना उपनिरीक्षक कौशल गुप्ता को सौंपी गई है।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण का अभियान, 884 ग्राम पंचायतों में जन-जन तक पहुंचेगा स्वच्छता का संदेश

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के जिला स्वच्छता सलाहकार संदीप कुमार ने विकास भवन स्थित सभागार में आयोजित विकासखंड गंगोह के सामुदायिक शौचालय महिला केयरटेकर के प्रशिक्षण में कहा कि ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन करने में भी योगदान करके स्वच्छ एवं विकसित ग्राम पंचायत बनाने में महिला केयरटेकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

संदीप ने स्वच्छता के महत्व को बताते हुए इस बात पर विशेष जोर दिया कि ठोस एवं तरल अपशिष्ट कचरे का प्रबंध करके हम स्वच्छ तथा विकसित ग्राम पंचायत बनाते हुए अपनी आय को भी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कचरा को कंचन से जोड़ते हुए ग्राम पंचायत के प्रत्येक क्षेत्र में बिखरे हुए प्लास्टिक कचरा या अन्य ठोस तरल कचरा के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए महिला प्रतिभागियों को अभीप्रेरित किया कि हर व्यक्ति अपने परिवार में सुबह अवस्थित रूप से कचरा प्रबंधन करके न केवल अपनी आय वृद्धि कर सकता है बल्कि स्वस्थ एवं सुरक्षित रूप से अपने जीवन को सशक्त भी कर सकता है। प्रशिक्षण में बताया गया कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण द्वारा जनपद के 884 ग्राम पंचायतों में जन-जन तक स्वच्छता की अलख जगाई जाएगी। इसके लिए सामुदायिक शौचालय महिला केयर टेकरों का प्रशिक्षण कराया जा रहा है। महिला केयरटेकर सामुदायिक शौचालय संचालन के साथ-साथ एक पेड़ मां के नाम लगाने व बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। प्लास्टिक मुक्त तालाबों के साथ प्लास्टिक मुक्त ग्राम पंचायत भी बनाए जाने के लिए विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किया जा रहा है। ग्राम पंचायत के स्तर पर अब तक 110 कुंतल प्रथम प्रयोगी प्लास्टिक कचरा एकत्रित किया जा चुका है। इससे पूर्व जिला स्वच्छता सलाहकार आशीष सिंह द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से स्वच्छता के साथ आयाम पर विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण में जानकारी दी गई प्रशिक्षण सत्रों का संचालन देव भास्कर पांडे जिला स्वच्छता सलाहकार द्वारा किया गया। सुव्यवस्थित रूप से प्रशिक्षण आयोजन में सहायक विकास अधिकारी पंचायत गंगोह एवं खंड स्वच्छता प्रेरक का योगदान रहा।

महिला पर लगाया लड़की को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप रिपोर्ट दर्ज

बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। अहार क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित भाई ने गांव की एक महिला पर उसकी नाबालिग बहन को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। हुई रिपोर्ट दर्ज। एक गांव निवासी पीड़ित भाई ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि सात जून को करीब एक बजे खेतों में से घास काटने गयी थी। घर पर मेरी छोटी बहन थी। मुझे उसने बताया कि वह गांव की ही एक महिला के साथ घास काट कर लेने गई थी। अभी तक घर वापस नहीं आई है। मुझे उस महिला पर मेरी नाबालिग बहन को बहला फुसलाकर ले जाने का जाने का शक है। थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार शर्मा ने कहा कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस जांच में जुट गई है।

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में बुलंदशहर पुलिस मेरठ जोन में प्रथम, प्रदेश में सातवें स्थान पर आया

बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में बुलन्दशहर पुलिस ने मुख्यमंत्री (सीएम) डैशबोर्ड की मई माह की रैंकिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मेरठ जोन में पहला तथा प्रदेश स्तर पर सातवां स्थान हासिल किया है। शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित मॉनिटरिंग और समयबद्ध कार्रवाई के चलते यह उपलब्धि प्राप्त हुई। एसएसपी ने इस सफलता पर सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की सराहना करते हुए भविष्य में भी जनसेवा, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

पिछड़े वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए निःशुल्क ओ-लेवल व सीसीसी प्रशिक्षण का अवसर : जय प्रकाश यादव

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी जय प्रकाश यादव ने बताया कि उ0प्र0 सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित कम्प्युटर प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत पिछड़े वर्ग के इण्टरमीडिएट (10+2) उत्तीर्ण शिक्षित एवं बेरोजगार युवक/युवतियों, जिनके माता/पिता की वार्षिक आय 1,00,000/ (एक लाख) तक है दिनांक 16 जून, 2026 से 10 जुलाई, 2026 तक 'O' Level Computer Training and 'CCC' Computer Training हेतु ऑनलाइन आवेदन विभागीय वेबसाइट http://obccomputertraining .up.gov.in/ पर कर सकते है । आवेदन करने के उपरान्त आवेदन की प्रिन्ट कॉपी समस्त शैक्षिक अभिलेखों की प्रति सहित अन्तिम तिथि 10 जुलाई, 2026 सांय 5 बजे तक जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय (कमरा नम्बर 104 विकास भवन भूतल) बुलन्दशहर में अनिवार्य रूप से जमा किया जाना है। जमा करने के उपरान्त ही आवेदन पूर्ण माना जायेगा ।

चचिया ससुर व उसके 3 पुत्रों के विरुद्ध कराई रिपोर्ट दर्ज

स्याना/बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। स्याना कोतवाली पर पीड़िता की तहरीर पर आरोपित व्यक्ति व उसके 3 पुत्रों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना उपनिरीक्षक कौशल गुप्ता को सौंपी गई है। क्षेत्र के ग्राम बरोली वासदेवपुर निवासिन श्रीमती प्रवेश ने तहरीर दी कि वे अपने घर पर रोटी बना रही थीं। उनके पति अनिल से पीड़िता के चचिया ससुर विनोद व उनके पुत्रगण गोविन्दा, कालिया व भूपेन्द्र उल्टा-सीधा बोल रहे थे। पीड़िता ने अपने पति से घर को चलने के लिए कहा तो आरोपितजन पीड़िता को गन्दी-गन्दी गालियां देने लगे। पीड़िता के अनुसार जब उन्होंने उक्त लोगों से गाली देने के लिए मना किया तो उन्होंने पीड़िता के साथ मारपीट की, जिसमें उन्हें काफी चोटें आई।

जिलाधिकारी ने किया प्रदेशस्तरीय समन्वय सबजूनियर बालक बॉक्सिंग प्रतियोगिता का उद्घाटन

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। खेल निदेशालय उ0प्र0 एवं उ0प्र0बॉक्सिंग संघ के संयुक्त तत्वाधान में प्रदेशस्तरीय समन्वय सबजूनियर बालक बॉक्सिंग प्रतियोगिता 10 से 13 जून, 2026 तक क्षेत्रीय खेल कार्यालय, सहारनपुर में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान तथा अति विशिष्ट अतिथि एस.पी.सिटी व्योम बिन्दल द्वारा किया गया।

जिलाधिकारी द्वारा प्रतियोगिता के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया तत्पश्चात प्रतियोगिता के उद्घाटन की विधिवत घोषण की। अमित जैन, अध्यक्ष जिला३ बाक्सिग संघ सहारनपुर, सुषमा बजाज, फाउण्डर बजाज ग्रुप ऑफ इन्सटीयूसन्स सागर धनराज, निदेशक हैप्पी इवेन्ट दिल्ली, राम शरन गर्ग, समाजसेवी सहारनपुर, रामपाल सैनी, समाजसेवी सहारनपुर, अनित गर्ग जिलाअध्यक्ष अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल को क्रीड़ाधिकारी सहारनपुर मण्डल द्वारा सम्मान प्रतीक चिन्ह भेंट कर हार्दिक अभिनन्दन किया गया।

प्रदेश स्तरीय सबजूनियर बालक बॉक्सिग प्रतियोगिता परिणाम दिनांक-10.06.2026

प्रदेशीय सबजूनियर बालक बॉक्सिग प्रतियोगिता में कुल 15 मण्डलों से 151 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे है। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला 35-37 कि.ग्रा.भार वर्ग में सहारनपुर मण्डल से नीरज कुमार बनाम आयोध्या मण्डल से असद खान के मध्य खेला गया जिसमें सहारनपुर मण्डल की ओर से नीरज कुमार एकतरफा विजयी रहे। दूसरा मुकाबला 37-40 कि.ग्रा.भार वर्ग में वंश सहारनपुर मण्डल बनाम गोविन्द अलीगढ़ मण्डल के मध्य हुआ जिसमें गोविन्द अलीगढ़ मण्डल 3-2 से विजयी रहा। चैथा मुकाबला 40-43 कि.ग्रा. भार वर्ग में विपिन पाल प्रयागराज मण्डल बनाम जश वर्मा कानपुर मण्डल के मध्य खेला गया जिसमें कानपुर के जश वर्मा अपने प्रदर्शन के दूसरे राउण्ड में विजयी रहा। पांचवा मुकाबला 43-46 कि.ग्रा. भार वग्र में पुनीत सहारनपुर मण्डल बनाम सूरी सिंह लखनऊ मण्डल के मध्य खेला गया जिसमें पुनीत सहारनपुर मण्डल दूसरे राउण्ड में विजयी रहा। प्रेस नोट जारी होने तक मुकाबले जारी है।

निर्णायकों की भूमिका में:- 1-युवराज (प्रतापगढ़), 2- सोमप्रकाश शर्मा (अलीगढ़), 3- पवन कुमार (वाराणसी), 4- संजय गुप्ता (कानपुर), 5- मनीष हजारिया (कानपुर), 6-रॉबिन सिंह (मेरठ), 7- आशीष राय (प्रयागराज), 8-शरद चंद्र (लखनऊ), 9-उदित शर्मा (सहारनपुर), 10-अकीब (झांसी), 11- नाजिम (बागपत), 12-विश्वजीत (बागपत) इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट कुलदीप सिंह, क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी श्री राहुल चौपड़ा, अध्यक्ष जिला बाक्सिंग संघ आगरा अमित जैन सहायक प्रशिक्षक प्रवीन कुमार, लाल धर्मेन्द्र प्रताप एथलेटिक्स प्रशिक्षक जयेन्द्र भारोत्तोलन प्रशिक्षक, आदेश कुश्ती प्रशिक्षक, सन्नी जिम प्रशिक्षक, सुश्री प्रीति किक्रेट प्रशिक्षक, प्रियंका ताइक्वाण्डो प्रशिक्षिका, रूपेश जूडो खेलो इण्डिया प्रशिक्षक, आकाश बैडमिन्टन प्रशिक्षक, गौरव शूटिग प्रशिक्षक, सुश्री सुप्रिया जिम प्रशिक्षक स्टेडियम आदि गणमान्य उपस्थित रहें।

खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के निदेर्शानुसार भाकृअनुपझ्रकेंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, मोदीपुरम, मेरठ के वैज्ञानिकों द्वारा ग्राम सैदपुर हुसैनपुर दिलाना, विकासखंड भोजपुर में 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में कुल 46 किसानों एवं ग्रामीणों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में भाकृअनुपझ्रकेंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों द्वारा किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण एवं टिकाऊ खेती के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

डॉ. बबिता चौधरी, प्रधान वैज्ञानिक, ने किसानों को मृदा परीक्षण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं संतुलित पोषण प्रबंधन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक विधि से मिट्टी का नमूना लेने की प्रक्रिया भी समझाई। डॉ. सुभाष एस., वैज्ञानिक, ने किसानों को अत्यधिक यूरिया एवं डीएपी के असंतुलित प्रयोग से मिट्टी की उर्वराशक्ति पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया।

उन्होंने किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट एवं हरी खाद के महत्व के बारे में जानकारी दी तथा आवश्यकता आधारित उर्वरक एवं कीटनाशी प्रयोग अपनाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. विनीत शर्मा, मुख्य तकनीकी अधिकारी, ने 'खेत बचाओ अभियान' की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी देते हुए किसानों को मृदा संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अमरजीत सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष धर्मेंद्र राठी, सूक्ष्मपाल राठी, जगत सिंह राठी, मनोज राठी, शुभ सिंह, इंद्रपाल सिंह, सहित क्षेत्र के अनेक प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने वैज्ञानिकों से खेती, मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरक प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

रूसी विश्वविद्यालय का इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में दौरा, वैश्विक शैक्षणिक सहयोग पर जोर

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। रूस की प्रतिष्ठित मॉस्को टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर कम्युनिकेशंस एंड इन्फॉर्मेटिक्स के प्रतिनिधिमंडल ने इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी) का दौरा कर आईटी, टेलीकम्युनिकेशन और साइबर सुरक्षा के क्षेत्रों में शैक्षणिक एवं तकनीकी सहयोग पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में डीन डॉ. मिखाइल गिरोदनिचेव और डिप्टी डायरेक्टर अलेक्जेंड्रा शामिल थीं। अलेक्जेंड्रा ने बताया कि एमटीयूसीआई दूरसंचार, कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग शिक्षा के क्षेत्र में रूस का अग्रणी विश्वविद्यालय है तथा अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा दे रहा है।

आईपीईसी के वाइस प्रेसिडेंट (इंटरनेशनल रिलेशंस) विभूति शंकर ने बताया कि दोनों संस्थानों के बीच पहले से सक्रिय एमओयू है, जिसके तहत संयुक्त शोध एवं शैक्षणिक गतिविधियों को आगे बढ़ाया जाएगा। डॉ. सुनीता यादव, डीन (सीएसई), ने कहा कि आईटी और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में दोनों संस्थान मिलकर नवाचार और शोध को नई दिशा दे सकते हैं।

आईपीईसी के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने कहा कि यह साझेदारी नई तकनीकों, नवाचारों और उद्योगोन्मुखी समाधान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा विद्यार्थियों के लिए वैश्विक अवसरों के नए द्वार खोलेगी।

जिला सूचना अधिकारी ने मान्यता प्राप्त पत्रकारों को डिजिटल कार्ड वितरित किए

अनिल वशिष्ठ

गाज़ियाबाद(वेलकम इंडिया)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर प्रदेश में सभी मान्यता प्राप्त पत्रकार बंधुओं के लिए डिजिटल कार्ड बनवाए गए हैं। कार्ड सूचना विभाग गाजियाबाद कार्यालय को प्राप्त होने पर जिला सूचना अधिकारी योगेंद्र प्रताप सिंह द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रकारों को डिजिटल कार्ड वितरित किए गए। बताते चलें कि डिजिटल कार्ड बनाए जाने से मान्यता प्राप्त पत्रकारों का ऑनलाइन विवरण प्राप्त हो जाएगा। कार्ड में प्राप्त जानकारी के अनुसार मान्यता प्राप्त कार्ड पर यूपीएसआरटीसी की बसों पर प्रत्येक वर्ष 2,500 किमी. की निःशुल्क यात्रा सुविधा, राजकीय चिकित्सालयों पर निःशुल्क चिकित्सा की सुविधा है। कार्ड का

प्रयोग प्रेस कार्य के अतिरिक्त अन्य किसी कार्य प्रयोजन के लिये वर्जित है। कार्ड हस्तांतरणीय नहीं है। कार्ड खो जाने पर एफआईआर के उपरान्त ही दूसरा कार्ड जारी होगा। स्थानांतरण/सेवानिवृत्ति / त्यागपत्र देने एवं वैधता समाप्त होने पर प्रेस कार्ड वापस करना होगा। कार्ड की वैधता हेतु कार्ड का नवीनीकरण प्रत्येक वर्ष जिलाधिकारी के माध्यम से 28 फरवरी तक कराना अनिवार्य होगा, अन्यथा कार्ड अवैध हो जायेगा।

कारगिल विजय दिवस के लिए पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली को किया आमंत्रित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम 15 जुलाई को मनाए जाने के संबंध में पूर्व सैनिक शौर्य कल्याण संगठन पदाधिकारी ने विकास पुरुष पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली के साथ बैठक कर उन्हें आगामी कार्यक्रम के विषय में अवगत कराते हुए आमंत्रित किया कराया।

पूर्व सैनिक शौर्य कल्याण संगठन के अध्यक्ष पूर्व ब्लैक कैट कमांडो मनोज शर्मा ने 15 जुलाई को मनाए जाने वाले कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम की समस्त जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष कार्यक्रम को और

भी बड़े स्तर पर मनाने की तैयारी की जा रही है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में परमवीर चक्र विजेता ऑनरेरी कैप्टन योगेंद्र यादव को उनकी सहमति मिलने पर आमंत्रित किया गया है। पालिका कार्यालय में बैठक के दौरान चेयरमैन विनोद वैशाली ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हर संभव मदद करने का आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा अमर शहीद फौजियों की याद में कारगिल विजय दिवस जैसे कार्यक्रम मोदीनगर में आयोजित होना और उसमें परमवीर चक्र विजेता जैसी महान हस्तियों का शामिल होना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित रहे संगठन के अध्यक्ष ब्लैक कैट कमांडो मनोज कुमार शर्मा ने नगर विकास पुरुष चेयरमैन विनोद वैशाली का सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। अध्यक्ष के साथ संगठन के संस्थापक लक्ष्मण सिंह राठी,ए पी गुप्ता,ओमपाल तेवतिया, विक्रांत राणा,विनोद गुप्ता, चमन लाल,ऋषिपाल यादव, सोमपाल कश्यप,मुकेश शर्मा आदि पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

सीकरी माता मंदिर में स्वच्छता विशेष सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोदी सरकार के सफल एवं जनकल्याणकारी 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, विधानसभा क्षेत्र स्थित सिकरी माता मंदिर में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत विशेष सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक जिला मंत्री, भारतीय जनता पार्टी तीशा गोस्वामी ने मंदिर परिसर में उपस्थित सभी सफाई कर्मियों के साथ मिलकर झाडू लगाकर, पोछा लगाकर, धुलाई एवं साफ–सफाई का कार्य किया गया। स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान सभी सफाई कर्मियों का फूल–माला पहनाकर एवं पटका ओढ़ाकर सम्मान भी किया गया तथा उनके समर्पण और सेवा भावना के प्रति आभार व्यक्त किया गया। मंदिर परिसर की सफाई के उपरांत सड़क पर भी सफाई कर्मियों के साथ मिलकर झाड़ू लगाकर आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया और 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' का संदेश दिया गया। तीशा गोस्वामी ने कहा कि आइए, हम सब मिलकर स्वच्छता को अपना संस्कार बनाएं, क्योंकि स्वच्छ भारत ही स्वस्थ और सशक्त भारत की पहचान है। इस अवसर पर मनोज , रिंकू वर्मा, पिंकी उपाध्याय, सरोज , नीलम वर्मा , कुसुम एवं सुमन गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

फर्नीचर फैक्ट्री में भड़की भीषण आग, फायर टीम की मुस्तैदी से बची रिहायशी बस्ती

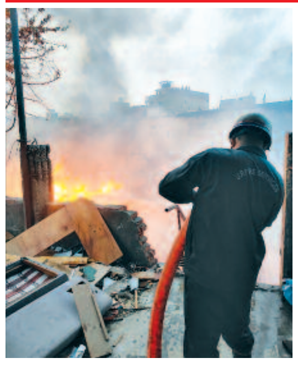

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद के साइट-4 औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फर्नीचर निर्माण इकाई में बुधवार तड़के भीषण आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि फैक्ट्री का टिन शेड गिर गया और आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि फायर सर्विस की त्वरित कार्रवाई और अथक प्रयासों से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे निकट स्थित आवासीय भवनों को सुरक्षित बचा लिया गया।

सुबह करीब 4:55 बजे फायर विभाग को सूचना मिली कि प्लॉट संख्या 534-सी स्थित एसएस फर्नीचर सोफा होम में आग लगी हुई है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग की गंभीरता को देखते हुए वैशाली फायर स्टेशन से दो अतिरिक्त वाटर ब्राउजर भी बुलाए गए।

आग की तीव्रता के कारण फैक्ट्री का टिन शेड ढह गया, जिससे राहत कार्य में बाधा उत्पन्न हुई। इसके बाद जेसीबी मशीन की मदद से मलबा हटाकर आग बुझाने का कार्य जारी रखा गया।

फायर कर्मियों की सूझबूझ और कड़ी मेहनत से आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया।

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण विद्युत शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। इस हादसे में एक हुंडई वेन्यू कार, मोटरसाइकिल, डीजी सेट और अन्य कीमती सामान जलकर नष्ट हो गया। फैक्ट्री मालिक घटना के समय मौके पर मौजूद नहीं थे।

सौभाग्य से इस अग्निकांड में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने फायर सर्विस की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि समय पर कार्रवाई न होती तो यह आग आसपास की रिहायशी कॉलोनियों तक पहुंचकर बड़े हादसे का कारण बन सकती थी।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा संगठन का किया गया विस्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की एक बैठक गाजियाबाद स्थित जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष बुद्ध प्रकाश शर्मा जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष पँ. बी. डी. शर्मा जी उपस्थित रहें।संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज ने संगठन का विस्तार करते हुए खिवाई, मेरठ के निवासी, प्रमुख समाजसेवी पँडित सी. पी. शर्मा को संगठन की सदस्यता ग्रहण कराते हुए आजीवन सदस्य मनोनीत किया एवम जिलों का संगठन विस्तार करते हुए गौतमबुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष पद पर चिपियाना निवासी,प्रमुख शिक्षाविद नानक शर्मा को और सहारनपुर जिलाध्यक्ष पद पर सहारनपुर के व्यवसायी चेतन शर्मा को मनोनीत किया। सभी को संगठन का पटका पहनाकर एवम भगवान परशुराम जी का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. डी. शर्मा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत करने के दिशा निर्देश दिए।बैठक में पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद शर्मा , युवा प्रकोष्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिन्मय भारद्वाज , ऋतिक शर्मा, अक्षय शर्मा अंकित दीक्षित विशू कौशिक सहारनपुर आदि विप्रजन उपस्थित रहें।। राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियो को सभा के संविधान की जानकारी प्रदान की।

साहिबाबाद पुलिस की बड़ी सफलता सीसीटीवी तोड़कर फॉर्च्यूनर उड़ाने वाले 24 घंटे में गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद थाना साहिबाबाद पुलिस ने वाहन चोरी के एक सनसनीखेज मामले का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई टोयोटा फॉर्च्यूनर कार भी बरामद कर ली है। पुलिस के मुताबिक, राजेंद्र नगर सेक्टर-5 निवासी आदित्य मिहिर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 9 जून की रात अज्ञात चोर उनके घर के बाहर खड़ी सफेद रंग की टोयोटा फॉर्च्यूनर (UP14GE7707) चोरी कर ले गए। बदमाशों ने वारदात से पहले घर के सामने लगे दो सीसीटीवी कैमरों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया था, ताकि उनकी पहचान न हो सके।

शिकायत मिलते ही थाना साहिबाबाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विशेष टीम का गठन किया। टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर 10 जून को रोटरी गोल चक्कर के पास से दो आरोपियों को

दबोच लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई फॉर्च्यूनर भी बरामद कर ली।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के त्वरित खुलासे और बरामदगी से पुलिस की सक्रियता और अपराध नियंत्रण की प्रभावी रणनीति एक बार फिर सामने आई है।

मिशन शक्ति बनी परिवार की उम्मीद: लापता मानसिक रूप से कमजोर युवती को परिजनों से मिलाया

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। मिशन शक्ति टीम साहिबाबाद ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए मानसिक रूप से कमजोर एक लापता युवती को सकुशल उसके परिजनों से मिलाकर सराहनीय कार्य किया है। बुधवार को गश्त एवं जागरूकता अभियान के दौरान मिशन शक्ति टीम को श्याम पार्क चौकी क्षेत्र में 18 वर्षीय युवती संध्या लावारिस अवस्था में घूमती हुई मिली। पूछताछ में युवती अपना नाम तो बता सकी, लेकिन मानसिक स्थिति कमजोर होने के कारण अपने घर का

पता स्पष्ट रूप से नहीं बता पाई।

टीम ने आसपास के लोगों से जानकारी जुटाने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद युवती को थाना साहिबाबाद स्थित मिशन शक्ति केंद्र लाया गया और उसके परिजनों की तलाश शुरू की गई। विभिन्न थानों से संपर्क करने पर पता चला कि युवती के पिता शिवकुमार थाना कोतवाली नगर में अपनी बेटी के गुम होने की सूचना देने पहुंचे हुए हैं।

मिशन शक्ति प्रभारी ने तत्काल परिजनों से संपर्क किया, जिसके बाद वे थाना साहिबाबाद पहुंचे। आवश्यक पूछताछ और सत्यापन के बाद युवती को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि संध्या की मानसिक स्थिति लंबे समय से कमजोर है और उसका उपचार चल रहा है। अपनी बेटी को सकुशल वापस पाकर परिवार के लोगों ने राहत की सांस ली तथा गाजियाबाद पुलिस और मिशन शक्ति टीम के इस मानवीय प्रयास की जमकर सराहना की।

समाजवादी पार्टी द्वारा नि:शुल्क जल सेवा

राहगीरों एवं पुलिस भर्ती परीक्षार्थियों को मिली गर्मी से राहत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। विधानसभा 57 में समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव (पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ) गिरीश मथुरिया सैन के नेतृत्व में के.एन. मोदी शॉप कॉम्प्लेक्स के सामने निःशुल्क जल सेवा का आयोजन किया गया। इस दौरान भीषण गर्मी से परेशान राहगीरों, आमजन एवं उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों को ठंडा एवं मीठा जल वितरित किया गया।

जल सेवा के दौरान परीक्षा केंद्रों के बाहर अपने परिजनों के साथ मौजूद अभिभावकों एवं परीक्षार्थियों ने भी ठंडा एवं मीठा जल ग्रहण कर गर्मी से राहत

महसूस की। उपस्थित लोगों ने समाजवादी पार्टी की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी के समय इस प्रकार की सेवा मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

गिरीश मथुरिया सैन ने कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव जनसेवा और सामाजिक सरोकारों के कार्यों में अग्रणी रही है।

तथा भविष्य में भी जनता के हित में ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष (ओबीसी वर्ग) बल्लू सीकरी, जिला महासचिव (लोहिया वाहिनी) तरुण जाटव, नितेश कुमार एवं शामिक सैफी सहित अन्य साथी उपस्थित रहे।

खेत बचाओ अभियान' के तहत ग्राम सैदपुर हुसैनपुर डीलना में किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।

गाजियाबाद में पोलियो वायरस की दस्तक

स्वास्थ्य विभाग हाई अलर्ट पर – 12 संवेदनशील क्षेत्रों में डेढ़ लाख बच्चों का विशेष सर्वे शुरू

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिले में सीवेज (मलजल) के नमूने में वैक्सीन डिराइव्ड पोलियोवायरस (वीडीपीवी) टाइप-1 की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है।

संभावित खतरे को देखते हुए 12 अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में पांच वर्ष तक के बच्चों का विशेष डोर-टू-डोर सर्वे अभियान शुरू किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर बच्चों की पोलियो टीकाकरण स्थिति की जांच कर रही हैं।

अभियान के दौरान यह पता लगाया जा रहा है कि बच्चों ने पोलियो की कितनी खुराकें प्राप्त की हैं, नियमित टीकाकरण पूरा हुआ है या नहीं, तथा कोई बच्चा टीकाकरण से वंचित तो नहीं रह गया है। इस विशेष अभियान के तहत लगभग डेढ़ लाख बच्चों को चिन्हित कर उनकी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एकत्र की जा रही है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन ने बताया कि सीवेज नमूने में वीडीपीवी टाइप-1 मिलने के बाद तत्काल प्रभाव से 160 विशेष टीमों का गठन किया गया है।

ये टीमें चिन्हित क्षेत्रों में बच्चों की निगरानी, स्वास्थ्य परीक्षण और टीकाकरण स्थिति का सत्यापन कर रही हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य किसी भी संभावित संक्रमण की समय रहते पहचान कर आवश्यक कदम उठाना है। सीएमओ के अनुसार, सर्वे के दौरान सवा लाख से अधिक बच्चों की जांच की जाएगी।

फिलहाल जिले में किसी भी बच्चे में पोलियो वायरस से संबंधित लक्षण नहीं मिले हैं, जो राहत की बात है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग पूरी सतर्कता के साथ निगरानी अभियान चला रहा है।

स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों का नियमित टीकाकरण अवश्य कराएं और पोलियो की प्रत्येक खुराक समय पर दिलाएं। अधिकारियों ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी और सुरक्षित उपाय पूर्ण टीकाकरण है।

स्वास्थ्य विभाग का यह विशेष अभियान आगामी दिनों में भी जारी रहेगा, ताकि जिले के सभी संवेदनशील क्षेत्रों में बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति और टीकाकरण कवरेज पर लगातार नजर रखी जा सके तथा पोलियो संक्रमण के किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

12 वर्षों की उपलब्धियों पर भोलेनाथ का आशीर्वाद, महापौर सुनीता दयाल ने की विशेष पूजा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र के सिहानी ग्राम स्थित श्री प्राचीन शिव मंदिर में गाजियाबाद की महापौर सुनीता दयाल ने विधि-विधान से भगवान महादेव की पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष प्रार्थना भी की गई।

महापौर सुनीता दयाल ने भगवान भोलेनाथ से देश की निरंतर प्रगति, विकास और समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत नए कीर्तिमान स्थापित करता रहे और विश्व पटल पर देश का गौरव लगातार बढ़ता रहे। कार्यक्रम में संयोजक राम त्यागी, मंडल अध्यक्ष हेमंत त्यागी, बालकिशन प्रजापति, प्रवीण त्यागी, जगबीर सिंह, सुमित शर्मा, विपिन त्यागी, सुनील शर्मा एवं राजेश चतुर्वेदी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूजा-अर्चना के दौरान श्रद्धालुओं ने भी देश की खुशहाली और जनकल्याण की मंगलकामना की।

जनता की अदालत में डीएमः अवैध कब्जों पर सख्ती, पीड़ितों को मिला न्याय का भरोसा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, अवैध कब्जे, पेंशन, राजस्व एवं अन्य जनहित से जुड़े मामलों की सुनवाई की गई। जिलाधिकारी द्वारा चलाए जा रहे 'हकदारों का गृह प्रवेश' अभियान के चलते अवैध कब्जों से परेशान कई पीड़ित परिवार न्याय की उम्मीद लेकर जनता दर्शन में पहुंचे। लोगों ने अपनी भूमि और मकानों पर हुए कब्जों की शिकायत करते हुए प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की। फरियादियों का कहना था कि प्रशासन की सक्रिय कार्रवाई से उन्हें अपने अधिकार वापस मिलने की उम्मीद जगी है। कार्यक्रम में दबंगई, धमकी और जबरन कब्जे के मामलों को भी गंभीरता से लिया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन से संबंधित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है और जन शिकायतों का पारदर्शी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। जनता दर्शन में उमड़ी भीड़ ने प्रशासन के प्रति जनता के बढ़ते विश्वास को एक बार फिर रेखांकित किया। जनसुनवाई के दौरान एडीएम ई ज्योति मौर्य, एडीएम सिटी विकास कश्यप, एडीएम एल/ए अवनीश सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चन्द्र त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली अग्निकांड के बाद गाजियाबाद में फायर विभाग की बड़ी कार्रवाई, 44 होटल-गेस्ट हाउसों की जांच, 5 में मिली खामियां

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून को हुई दर्दनाक अग्नि दुर्घटना के बाद प्रदेशभर में होटल, रेस्टोरेंट और गेस्ट हाउसों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की जांच के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में 9 एवं 10 जून को कमिश्नरेट गाजियाबाद क्षेत्र में अग्निशमन विभाग द्वारा व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान इंदिरापुरम, वसुंधरा, साहिबाबाद, राजेंद्र नगर, लोनी, मोदीनगर, मुरादनगर, शास्त्रीनगर, संजयनगर, बजरिया और खोड़ा क्षेत्र के कुल 44 होटल, रेस्टोरेंट एवं गेस्ट हाउसों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान अधिकांश प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं, जबकि पांच भवनों में सुरक्षा मानकों की कमी सामने आई। फायर विभाग के अनुसार डीके

रेजीडेंसी (लोनी), होटल पृथ्वी पैलेस (अंबेडकर रोड), होटल मीनार (बजरिया), होटल कंफर्ट इन (राजेंद्र नगर) और होटल लाइमवुड (मोदीनगर) में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिली। संबंधित भवन स्वामियों और प्रबंधकों को तत्काल सभी अग्निशमन उपकरणों एवं सुरक्षा प्रणालियों को कार्यशील करने के निर्देश दिए गए हैं।

निरीक्षण के दौरान फायर अधिकारियों ने होटल कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में बचाव, अग्निशमन उपकरणों के उपयोग और उनके रखरखाव संबंधी जानकारी भी दी। साथ ही सभी प्रतिष्ठानों को निकास मार्ग हमेशा अवरोधमुक्त रखने, अग्नि सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच कराने, भवनों में ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण न करने तथा बेसमेंट में कूड़ा-कचरा जमा न होने देने के निर्देश दिए गए।

विभाग ने भवन स्वामियों को विद्युत वायरिंग, लोड क्षमता और विद्युत उपकरणों की समय-समय पर जांच कराने की भी सलाह दी, ताकि शॉर्ट सर्किट जैसी घटनाओं की संभावना को रोका जा सके। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

ऑपरेशन दहनः 20.61 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ किए नष्ट

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन दहन' के तहत कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 63 अभियोगों से संबंधित 16,378.079 किलोग्राम मादक पदार्थों का विनिष्टीकरण किया। नष्ट किए गए इन मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत 20 करोड़ 61 लाख 10 हजार 600 रुपये आंकी गई है।

पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर संचालित अभियान के तहत चरस, गांजा, डोडा, हेरोइन, स्मैक, अफीम, नशीली गोलियां, नशीला पाउडर तथा कोडीन युक्त कफ सिरप जैसे प्रतिबंधित पदार्थों का विधिक प्रक्रिया के अनुसार निस्तारण किया गया। इसके लिए पुलिस आयुक्त गाजियाबाद द्वारा गठित उच्च स्तरीय एवं जोन स्तरीय ड्रग डिस्पोजल समितियों ने न्यायालय और संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमति प्राप्त कर कार्रवाई को अंजाम दिया।

अभियान के दौरान थाना नंदग्राम के मालखाने में रखे 15,735 लीटर कोडीन युक्त नशीले कफ सिरप को भी नष्ट किया गया। इसके अलावा नगर, ग्रामीण और ट्रांस हिंडन जोन में बरामद गांजा, डोडा, चरस, स्मैक, नशीला पाउडर और नशीली गोलियों का भी विनिष्टीकरण किया गया। वहीं 4.206 किलोग्राम अफीम को औषधीय उपयोग के लिए सरकारी अफीम एवं क्षारोद कारखाना, गाजीपुर भेजा गया।

9 और 10 जून 2026 को हापुड़ स्थित अधिकृत बायो-मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट एवं डिस्पोजल केंद्र में निर्धारित मानकों के अनुसार यह पूरी प्रक्रिया संपन्न कराई गई।

इस दौरान उच्च स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी, जोनल समितियों और संबंधित थाना प्रभारियों की मौजूदगी रही।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस कार्रवाई से मालखानों में सुरक्षा और स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होगी तथा नशा तस्करों को स्पष्ट संदेश जाएगा कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस की मुहिम लगातार जारी रहेगी।

समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में इसे गाजियाबाद पुलिस की एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

लोनी में चला जीडीए का बुलडोजर, 70 प्लॉट वाली अवैध कॉलोनी जमींदोज

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रवर्तन जोन-08 क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभापुर, लोनी में विकसित की जा रही अनधिकृत कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 की सुसंगत धाराओं के तहत की गई।

जीडीए की टीम ने खसरा संख्या-996/1 स्थित लगभग 8,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में विकसित हो रही अवैध कॉलोनी में करीब 60 से 70 भूखंडों की बाउंड्रीवाल, निर्मित सड़कों और अन्य अवैध निमार्णों को बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया। ध्वस्तीकरण के दौरान स्थानीय निर्माणकताओं ने विरोध भी किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस और क्षेत्रीय पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई निर्बाध रूप से जारी रही। मौके पर प्रवर्तन जोन-08 का समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस दस्ता तथा स्थानीय पुलिस बल तैनात रहा। जीडीए अधिकारियों ने कहा कि अवैध निर्माण और बिना स्वीकृति विकसित की जा रही कॉलोनियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मोदी के नेतृत्व के 12 वर्षः गाजियाबाद में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मनाया जश्न

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता पार्टी के '12 साल विश्वास के, विकास के और जनकल्याण के' अभियान के अंतर्गत बुधवार को सदर विधानसभा क्षेत्र स्थित दूधेश्वरनाथ मंदिर परिसर में महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में हवन, रुद्राभिषेक एवं विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के जनसेवा, सुशासन एवं विकास कार्यों का स्मरण करते हुए उनके सफल नेतृत्व का उत्सव मनाया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदैव 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्रहित में लिए गए निर्णयों के कारण भारत आज वैश्विक मंच पर एक सशक्त और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हो रहा है तथा विश्व गुरु बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि रक्षा, उद्योग, विज्ञान, तकनीक, आधारभूत संरचना और विदेश नीति जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत को साकार करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है।

मयंक गोयल ने कहा कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी देश ने विकास की गति को बनाए रखा और अनेक नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष महिमा गुप्ता, पवन शर्मा, बलराम रावल, राजन वाल्मीकि, महताब त्यागी, भानु सिसोदिया, ललित कश्यप, राजू पंचाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इसी क्रम में मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र के असालतनगर स्थित हनुमान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं हनुमान जी को चोला अर्पित किया गया।

इस अवसर पर विधायक अजीत पाल त्यागी एवं विधान परिषद सदस्य दिनेश गोयल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और राष्ट्र सेवा के लिए निरंतर ऊर्जा प्रदान करने की प्रार्थना की।

विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि देश को नरेंद्र मोदी जैसा प्रधानमंत्री मिलना सौभाग्य की बात है, जो निरंतर राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित हैं।

उनके नेतृत्व में भारत विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और विश्व स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बना रहा है।

कार्यक्रम में महानगर महामंत्री गौरव चोपड़ा, राहुल डैनी, महानगर मंत्री उषा चौधरी, मंडल अध्यक्ष विपिन चौधरी, मंडल महामंत्री सुनीत त्यागी, योगेंद्र शर्मा, अंकुर तोमर, सचिन शर्मा, डॉ. सचिन जाटव, डॉ. प्रमोद त्यागी, अनुज त्यागी, साधना पांडे, महानगर मीडिया प्रभारी नीरज शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।